दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 263 जयपुर, रविवार, 01 सितंबर, 2024 । भाद्रपद, कृष्ण पक्ष-चतुर्दशी, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

महावीर खराडी बने RAS एसोसिएशन के अध्यक्ष

जयपुर। राजस्थान प्रशासनिक सेवा परिषद (आरएएस एसोसिएशन) के लिए शनिवार को हुए चुनाव में महावीर खराडी अध्यक्ष पद के लिए चुने गए। महावीर खराडी को 362 वोट मिले। वहीं, अशोक शर्मा को 286 और राकेश शर्मा 256 वोट मिले। शनिवार सुबह आरएएस क्लब में अध्यक्ष पद के लिए सुबह 10.15 से 11.15 बजे तक नामांकन भरे गए थे। इसमें तीन उम्मीदवार जिनमें राकेश शर्मा, अशोक शर्मा व महावीर खराडी ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। था निष्पक्ष चुनाव प्रकिया संपन्न करवाने के लिए केसर लाल मीणा, दिनेश शर्मा व नीलिमा तक्षक का निर्वाचन मंडल बनाया गया था।

अमृतलाल मीणा बने बिहार के मुख्य सचिव

जयपुर। राजस्थान के करौली जिले के सपोटरा उपखंड अन्तर्गत डाबरा गांव निवासी बिहार कैडर के वरिष्ठ आईएएस अमृतलाल मीणा को बिहार राज्य का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। अमृतलाल मीणा के मुख्य सचिव बनने की सूचना के बाद से ही क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अमृतलाल मीणा के मुख्य सचिव बनने पर परिजनों और क्षेत्रवासियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। मीणा 1989 बैच के आईएएस ऑफिसर हैं और बिहार के कई जिलों में जिला कलेक्टर सहित अन्य पदों पर रह चुके हैं।

पैरालंपिक: शूटर रुबीना ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

नई दिल्ली। पेरिस पैरालंपिक में शनिवार को भारत की शूटर रुबीना फ्रांसिस ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल एसएच1 इवेंट के फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम कियाप् ये उनका पहला पैरालंपिक मेडल है। रुबीना फ्रांसिस फाइनल के स्टेज 1 के बाद तीसरे स्थान पर थी. उन्होंने इस स्टेज के 10 शॉट में कुल 97.6 का स्कोर किया।

मुंबई में माली (सैनी) समाज का समारोह: प्रवासी माली (सैनी) समाज के लोगों ने किया सीएम का शानदार स्वागत

‘राइजिंग राजस्थान’ का हिस्सा बनें प्रवासी राजस्थानी: मुख्यमंत्री भजनलाल

बेधड़क | मुंबई/जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और दुनिया में रह रहे प्रवासी राजस्थानियों ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उपलब्धियों और कार्यों से राजस्थान का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि विकसित राजस्थान का संकल्प साकार करने में प्रवासी राजस्थानियों की भी अहम भूमिका है।

शर्मा शनिवार को मुंबई में माली (सैनी) समाज द्वारा आयोजित स्वागत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। राज्य सरकार प्रदेश में निवेश करने वाले निवेशकों को हर संभव सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 9 से 11 दिसंबर तक आयोजित होने वाले ‘राइजिंग राजस्थान’ समिट में प्रवासी राजस्थानी भी अधिक से अधिक संख्या में भागीदार बनें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प में अंत्योदय की भावना निहित है। एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हम सभी का कर्तव्य है कि जरूरतमंद को राहत पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करें और उन्हें केन्द्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ दिलाएं। उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानी विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति एवं विकास के साथ समाज सेवा में भागीदारी निभाकर प्रदेश को गौरवान्वित कर रहे हैं। इस अवसर पर मुंबई माली (सैनी) समाज के प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

सीएम खुद जुटे हैं राइजिंग राजस्थान समिट की सफलता सुनिश्चित करने में

‘राइजिंग राजस्थान’ ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर होगा। इसकी सफलता सुनिश्चित करने में खुद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जुटे हुए हैं। वे इसी सिलसिले में मुंबई के दौरे पर गए हैं। इस समिट का आयोजन राजस्थान सरकार के तत्वाधान में उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, बीआईपी और राजस्थान स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एंड इन्वेस्टमेंट कॉर्पोरेशन (रीको) के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है, जिसका नोडल विभाग बीआईपी है।

प्रदेश में विभिन्न उद्योग-व्यापार की स्थापना की कवायद

इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आकर काम करने के लिए आकर्षित करना, प्रदेश में विभिन्न तरह के उद्योग-धंधे लगाने में मदद करना और सुविधाएं मुहैया कराना है।

हाल-ए-मौसम: 22 जिलों में आज बारिश का अलर्ट

जयपुर सहित कई जगह वर्षा राज्य में अब तक 52.60%

नया तंत्र बनने से पूर्वी राजस्थान में एक सप्ताह तक चलेगा भारी बारिश का दौर

बेधड़क। जयपुर

बारिश से एक बार फिर प्रदेश तरबतर होगा। प्रदेश में नया तंत्र बनने से तेज बारिश का सिलसिला शुरू होगा। आंध्रप्रदेश, दक्षिणी उड़ीसा से लगे बंगाल की खाड़ी में एक डिप्रेशन तंत्र बना हुआ है। इसके आगामी 24 घंटों में उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ने की संभावना है। इसके प्रभाव से रविवार को कोटा, उदयपुर संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश होने तथा जयपुर, जोधपुर, अजमेर संभाग के कुछ भागों में मेघगर्जन के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान के अनेक भागों में बारिश की गतिविधियों में एक सितंबर से बढ़ोतरी होगी तथा कहीं-कहीं भारी बारिश के गतिविधियां आगामी एक सप्ताह तक जारी रहने की प्रबल संभावना है। पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, बीकानेर संभाग के कुछ भागों में हल्की मध्यम बारिश होने तथा 2 -3 सितंबर को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। शनिवार को सबसे ज्यादा बारिश जोधपुर के लूनी में 73 मिलीमीटर दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को जयपुर सहित करीब एक दर्जन शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। जयपुर के अलावा अजमेर, कोटा, जोधपुर, बीकानेर, बारां, जालोर, सिरोही, माउंट आबू सहित अन्य स्थानों पर बारिश हुई। जलसंसाधन विभाग के अनुसार शनिवार को जोधपुर में तेज बारिश हुई। लूनी के अलावा कुडी भगतासनी में 53 और तिंवरी में 45 , चित्तौड़गढ़ के डूंगला में 64, जैसलमेर के फलसूंड में 41 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शुक्रवार को पूर्वी राजस्थान के दौसा तथा झालावाड़ में कहीं कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई है| पूर्वी राजस्थान में सर्वाधिक बारिश राहुवास(दौसा) में 101 मिमी व पश्चिमी राजस्थान के पदमपुर, गंगानगर में 28.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है।

राज्य में सर्वाधिक अधिकतम तापमान 37.2 डिग्री धौलपुर और बीकानेर तथा सर्वाधिक न्यूनतम तापमान 29.2 डिग्री फलौदी में दर्ज किया गया। जयपुर में शुक्रवार रात आंधी के साथ तेज बारिश हुई। बारिश का दौर देर रात तक चला। जयपुर में 17 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। शनिवार को जयपुर में दिनभर छितराए बादल छाए रहे और कुछ स्थानों पर हल्की बारिश दर्ज की गई। जयपुर का अधिकतम तापमान 34.2 और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार आगामी दिनों में जयपुर में तेज बारिश का दौर देखने को मिलेगा।

अब तक 264 बांध हो चुके लबालब

प्रदेश में अच्छी बरसात का दौर रहने से अब तक सामान्य औसत वर्षा से 52.60 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। राज्य में अब तक 264 बांध लबालबा हो चुके हैं और 304 बांध आंशिक रूप से भर गए हैं। हालांकि अभी भी 123 बांध खाली हैं। राज्य के बांधों की भराव क्षमता 12900.82 एमक्यूएम की तुलना में 9379.76 एमक्यूएम पानी उपलब्ध हैं, जो भराव क्षमता का 72.71 प्रतिशत है।

बीसलपुर में आया 4 सेमी पानी

राजधानी में बीसलपुर बांध में सुबह 10 बजे तक 28 घंटे में महज 4 सेंटी मीटर पानी की आवक हुई है। जबकि शुक्रवार को इसी अवधि में 8 सेमी पानी की आवक हुई है। उससे पहले इस अवधि के 22 सेमी पानी आया था। अब बारिश नहीं हुई इस बांध का छलकना मुश्किल है। अभी बीसलपुर बांध का जल स्तर 314.51 आर एल मीटर हो गया है।

भाजपा मीडिया विभाग की उपचुनाव में रणनीति पर चर्चा

भाजपा मीडिया विभाग पहुंचाए सरकार के कार्यों को आमजन तक: मदन राठौड़

बेधड़क। जयपुर

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया विभाग, आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग सहित प्रदेश कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया विभाग के कार्यों की जानकारी प्राप्त की और आवश्यक सुझाव दिए। भाजपा मीडिया प्रदेश संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने उनको पार्टी के मीडिया विभाग की संपूर्ण कार्य प्रणाली से अवगत कराया।

इस दौरान राठौड़ ने भाजपा के प्रवक्ताओं एवं पैनलिस्टों को टीवी डिबेट के दौरान भाजपा सरकार की योजनाओं को तथ्यों के साथ रखने और प्रभावी संवाद के संबंध में भी बताया। वहीं, दूसरी ओर विधानसभा उपचुनावों को लेकर भाजपा मीडिया विभाग की आगामी रणनीति पर भी चर्चा की। राठौड़ ने कहा कि मीडिया विभाग भाजपा सरकार के जनहित से जुड़े लोक कल्याणकारी नीतियों को आमजन तक पहुंचाने के लिए कार्य योजनाएं बनाए। राठौड़ कहा कि मीडिया विभाग प्रदेश में घटित घटनाक्रमों में सरकार द्वारा किए गए एक्शन पर भी चर्चा करें।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने भाजपा के अंत्योदय के ध्येय वाक्य को चरितार्थ करते हुए गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के उत्थान के लिए कार्य किया है। ऐसे में भाजपा मीडिया विभाग उपचुनावों में सरकार के इन कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें।

आज सोशल मीडिया का समय

राठौड़ ने आईटी एवं सोशल मीडिया विभाग में पहुंचकर टीम से कार्य प्रणाली जानी और कहा कि आज सोशल मीडिया का समय है। ऐसे में हमें समय के साथ चलते हुए आईटी एवं सोशल मीडिया पर सक्रिय रहना होगा। निरीक्षण के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, जितेंद्र गोठवाल, प्रदेश मंत्री महेंद्र कुमावत, भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ, भाजपा आईटी विभाग संयोजक अविनाश जोशी, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, प्रदेश प्रवक्ता पंकज मीणा, विकास सोमानी, पैनेलिस्ट विक्रम सैनी सहित मीडिया विभाग में कार्यरत भाजपा परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

दो घंटे की मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू

आर्मी कैंपस के रिकॉर्ड रूम में लगी आग, लाखों रुपए का नुकसान

बेधड़क। जयपुर

यहां आर्मी कैंपस के रिकॉर्ड रूम और कैंटीन में शनिवार सुबह आग लग गई, जिसने धीरे धीरे भीषण हो गई। पुलिस ने 6 दमकलों की मदद से दो घंटे में आग पर काबू पाया। आग लगने से लाखों रुपए का सामान व रिकॉर्ड जलकर खाक हो गया। पुलिस आग लगने के कारण का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। फायर ब्रिगेड अधिकारी सुरेश कुमार यादव ने बताया कि खातीपुरा स्थित आर्मी कैंपस के रिकॉर्ड रूम व कैंटीन में सुबह करीब 7:15 बजे आग लगी थी।

आग की भीषण लपटें उठते देखकर वहां मौजूद कर्मचारियों ने अग्निशमन यंत्र से आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग लगने की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिग्रेड की 6 गाड़ियां मौके पर पहुंची। फायर ब्रिग्रेड कर्मचारियों ने करीब 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से रिकॉर्ड रुम में रखा रिकॉर्ड जलकर खाक होने के साथ ही कैंटीन में रखा लाखों रुपए का सामान जल गया। यादव ने बताया कि आग लगने के कारण का पता नहीं चला है। आग लगने के कारण का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

अंतरिक्ष में अटके दो यात्री

सुनीता और बुच को वापस लाने की कवायद शुरू, नासा ने कर ली तैयारी

- अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स को वापस लाने की कवायद शुरू
- नासा सुनीता और बुच को लाने के लिए स्पेसएक्स के दल से दो यात्री हटाएगा
- ताकि लौटते वक्त सुनीता और बुच के लिए जगह रह सके

बेधड़क। वाशिंगटन

अंतरिक्ष में फंसी भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को वापस धरती पर लाने की कवायद शुरू कर दी गई है। बोइंग के अधिकारियों के साथ हुई बैठक के बाद यह पक्का हो गया था कि दोनों अंतरिक्ष यात्री स्पेसएक्स के यान के जरिए ही वापस धरती पर आएंगे। नासा ने बताया कि स्पेसएक्स का जो अगला दल अंतरिक्ष यात्रा पर जा रहा है उसमें से दो यात्रियों को कम किया जा रहा है, जिससे जब यह दल वापस आएगा तो उनके यान में अंतरिक्ष में फंसे सुनीता विलियम्स और बुच के लिए जगह होगी।

इनको हटाया स्पेसएक्स से

नासा ने बताया कि उसने अंतरिक्ष यात्री जेना कार्डमैन और स्टेफनी विल्सन को स्पेसएक्स की अगली उड़ान से हटाने का फैसला किया है। हालांकि उन्हें अगले स्पेस मिशनों में शामिल किया जाएगा। एजेंसी के मुताबिक, यात्रियों के हटाने को लेकर चुनाव करना मुश्किल था क्योंकि सभी यात्री काफी लंबे समय से इसकी तैयारी कर रहे थे लेकिन हमें यह निर्णय लेना पड़ा। यह निर्णय अंतरिक्ष में उड़ान के अनुभव के आधार पर लिया गया। दूसरी तरफ सुनीता और बुच जिस बोइंग स्टारलाइनर कैप्सूल से अंतरिक्ष में पहुंचे थे उसकी भी अगले शुक्रवार तक धरती पर खाली लौटने की उम्मीद है।

फरवरी 2025 तक आएंगी सुनीता

नासा ने बताया कि हमारे अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोर्बुनोव सितंबर में स्पेसएक्स के रॉकेट के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के लिए उड़ान भरने के लिए तैयार हैं। वहां पर अपने मिशन को पूरा करने के बाद यह दोनों वहां फंसे सुनीता विलियम्स और बुच बिल्मोर के साथ फरवरी 2025 में धरती पर लौट आएंगे।

6 सितंबर को वापस आएगा स्टारलाइनर

नासा ने 29 अगस्त को बताया था कि बोइंग का पहला चालक दल वाला स्टारलाइनर स्पेसक्राफ्ट 6 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से निकलेगा। यदि सब कुछ निर्धारित योजना के अनुसार होता है तो अनडॉकिंग अमेरिका के स्थानीय समयानुसार शाम 6 बजकर 4 बजे होगी। कैप्सूल छह घंटे बाद न्यू मैक्सिको के वॉइट सैंड्स स्पेस हार्बर में उतरेगा।

ढाई महीने से अंतरिक्ष में फंसे हैं दोनों

इससे पहले, सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून में बोइंग के स्टारलाइनर पर सवार होकर अपनी 8 दिवसीय अंतरिक्ष यात्रा के लिए स्पेस स्टेशन में पहुंचे थे, लेकिन स्टारलाइनर में खराबी आने के कारण वह दोनों ही अंतरिक्ष में फंस गए। हालांकि, बोइंग ने नासा को भरोसा दिलाने की कोशिश की, कि स्टारलाइनर सुरक्षित है और अंतरिक्ष यात्रियों के वापस लाने के लिए तैयार है, लेकिन नासा ने बोइंग के इस रवैए को बेहद गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए पेंटागन से जुर्माना लगाने की अपील की।

अंत्येष्टि में बड़ी संख्या में भक्त, राजनेता, धर्मगुरु हुए शामिल

राघवाचार्य महाराज पंचतत्व में विलीन, राजेंद्र दास महाराज बने उत्तराधिकारी

बेधड़क | जयपुर/ सीकर

सीकर जिले के रैवासा धाम के पीठाधीश्वर महंत राघवाचार्य का शनिवार को अंतिम संस्कार हुआ। सुबह महंत राघवाचार्य की अंतिम यात्रा निकाली गई।

अंतिम यात्रा जानकीनाथ बड़ा मंदिर से रवाना हुई और रैवासा गांव के अलग-अलग इलाकों से होकर वापस मंदिर परिसर की गोशाला पहुंची। यहां अंतिम संस्कार किया गया। उत्तराधिकारी राजेंद्रदास महाराज ने मुखाग्नि दी। अंतिम संस्कार में नेता,धर्मगुरु और अनेक पीठाधीश्वर शामिल हुए। पीठाधीश्वर को शुक्रवार सुबह बाथरूम में दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें तुरंत ही सीकर

हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। वे वेदांत विषय में गोल्ड मेडलिस्ट थे। वे राजस्थान संस्कृति अकादमी के अध्यक्ष भी रहे। उन्होंने राजस्थान में वेदाश्रमों की भी स्थापना की। रैवासा वेद स्कूल में वेदों की शिक्षा लेने वाले स्टूडेंट इंडियन आर्मी से लेकर कई बड़े संस्थानों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

इस दौरान देश-विदेश से बड़ी संख्या में राघवाचार्य महाराज के अनुयायी भी रेवासा धाम पहुंचे। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में संत समाज से साधु संत भी मौजूद रहे। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, दांतारामगढ़ विधायक वीरेन्द्र सिंह और हवामहल विधायक और हाथोज धाम के पीठाधीश्वर बालमुकुंदाचार्य इस दौरान अंतिम यात्रा में शामिल हुए।

9 साल पहले लिखी थी राघवाचार्य ने वसीयत

डॉ. स्वामी राघवाचार्य ने 30 नवंबर 2015 को अपनी वसीयत लिखी थी। इस वसीयत को राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने रैवासा गांव के सरपंच रामदयाल सैनी की मौजूदगी में मंदिर परिसर में संतों को पढ़कर सुनाई। वसीयत के अनुसार महंत ने राजेंद्रदास देवाचार्य मलूक पीठाधीश्वर, बंसीवट, वृंदावन धाम को रैवासा धाम के पीठाधीश के रूप में अपना उत्तराधिकारी घोषित कर रखा है।

तुलसीदास भी जुड़े रहे थे रैवासा धाम से

भक्तमाल के टीकाकार प्रिया दास आदि ने तुलसीदास जी के रेवासा जाने का उल्लेख किया है। अग्रस्वामी चरितम में तुलसीदास जी के रेवासा में आने का उल्लेख है। गोस्वामी तुलसीदास रेवासा के जानकीनाथ मंदिर में रहे थे। रैवासा प्रवास के दौरान उन्होंने 'जानकी नाथ सहाय करें तब कौन बिगाड़ करे नर तेरो...' भजन की रचना की थी। उन्होंने अयोध्या कांड के कुछ पद भी रेवासा में लिखे थे। पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत का रेवासा पीठ से गहरा लगाव रहा। भाजपा नेता और राज्यसभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी आदि भी इस पीठ से जुड़े हुए हैं।

जरूरी खबर

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव आज झालावाड़ में

झालावाड़। जिले के झालरापाटन में रविवार को आचार्य गुरुदेव श्री प्रज्ञासागर जी महाराज की 52वीं जन्म जयंती कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। मोहन यादव भोपाल से हवाई मार्ग से दोपहर 1 बजे झालावाड़ पहुंचेंगे। यहां से वह सीधे झालरापाटन के कार्यक्रम स्थल एसटीसी ग्राउंड पर पहुंचेंगे। सीएम यादव गुरुदेव प्रज्ञा सागर जी महाराज के अनन्य भक्त माने जाते हैं। मुख्यमंत्री बनने के बाद डॉ. मोहन यादव श्री महावीर तपोभूमि पहुंचे थे, जहां उन्होंने भगवान महावीर स्वामी के दर्शन कर आचार्य गुरुदेव श्री प्रज्ञा सागर जी महाराज को श्रीफल समर्पित कर उनसे आशीर्वाद लिया था।

52 फर्मों पर 1 लाख रूपये से अधिक का जुर्माना

जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा 28 से 31 अगस्त तक चलाये गए कंज्यूमर केयर अभियान के तहत कुल 1013 फर्मों पर विधिक मापविज्ञान अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही की गई। जिनमें 668 फर्मों पर सत्यापन प्रमाण पत्र एवं सत्यापित बाट माप नहीं पाये जाने पर विभाग द्वारा गठित टीमों ने फर्मों के विरूद्ध मौके पर ही नोटिस जारी कर 19 लाख 23 हजार 500 रूपये का जुर्माना लगाया गया। कंज्यूमर केयर अभियान 31 अगस्त तक नियमित रूप से चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य व्यापारियों को उपभोक्ताओं के व्यापक हित में सही माप तौल करने के लिये प्रेरित करने के साथ ही उपभोक्ताओं को उनके मूल अधिकारों के बारे में सूचित किये जाने तथा उपभोक्ता शिक्षा का प्रसार करना है।

स्टेट इंटीग्रेटेड कैंसर टास्क फोर्स की बैठक में एसीएस के निर्देश

कैंसर से बचाव के लिए अगले माह से चलाया जाएगा अभियान

बेधड़क। जयपुर

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने कहा कि प्रदेश में प्राथमिक स्तर पर कैंसर की स्क्रीनिंग के लिए सुविधाओं को और सुदृढ़ बनाया जाएगा। आशा सहयोगिनी एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में कार्यरत सीएचओ के माध्यम से कैंसर रोकथाम के कार्य को गांव-ढाणी तक अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा। स्क्रीनिंग के लिए जिलेवार योजना भी बनाई जाएगी। साथ ही, प्रदेश में अक्टूबर माह से वृहद स्तर पर कैंसर जागरूकता अभियान संचालित किया जाना प्रस्तावित है। इस अभियान के माध्यम से आमजन को कैंसर रोग के लक्षण, जांच एवं उपचार को लेकर जानकारी दी जाएगी। सिंह ने शनिवार को स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट में आयोजित स्टेट इंटीग्रेटेड कैंसर टास्क फोर्स की प्रथम बैठक की अध्यक्षता करते हुए इस संबंध में दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैंसर दुनिया में मौत के तीसरे प्रमुख कारण के रूप में उभरकर सामने आया है। इससे होने वाली मौतें चिंता का विषय है। इस रोग से बचाव के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्धता के साथ कदम उठा रही है। आने वाले समय में कैंसर की जांच एवं उपचार व्यवस्था को निचले स्तर तक मजबूत बनाने के साथ ही अत्याधुनिक सुविधाओं की उपलब्धता का विस्तार सुनिश्चित किया जाएगा। अंतर्विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए कैंसर रोकथाम की गतिविधियों को प्रभावी बनाया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी इसमें तकनीकी सहयोग लिया जाएगा।

स्क्रीनिंग, जांच एवं उपचार सेवाएं होंगी और सुदृढ़

प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट के लिए भेजें प्रस्ताव

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट कैंसर को लेकर नोडल सेंटर के रूप में भूमिका अदा करे। उन्होंने यहां प्रिवेंटिव ऑन्कोलॉजी यूनिट स्थापित करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। श्रीमती सिंह ने कहा कि कैंसर के उच्च स्तरीय उपचार के लिए प्रदेश में अत्याधुनिक एवं उच्च क्षमता की मशीनें स्थापित करने की दिशा में भी योजना बनाई जाए।

स्क्रीनिंग का बढ़ेगा दायरा

अतिरिक्त मुख्य सचिव सिंह ने कहा कि कैंसर रोग की प्राथमिक स्तर पर ही जांच हो जाए तो इससे होने वाली मौतों में काफी कमी आ सकती है। उन्होंने इसके लिए प्रदेश में स्क्रीनिंग सुविधा को और बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैंसर स्क्रीनिंग के लिए प्रदेश में मोबाइल वैन की संख्या और बढ़ाई जाए। मानव सेवा के इस कार्य में भामाशाह एवं दानदाताओं का भी सहयोग लिया जा सकता है। उन्होंने सबसे अधिक होने वाले कैंसर यथा ब्रेस्ट, सर्वाइकल, प्रोस्टेट एवं ओरल कैंसर की स्क्रीनिंग का दायरा बढ़ाने के निर्देश दिए।

योजना में 73 डे केयर पैकेज से मिल रही बड़ी राहत

सिंह ने कहा कि राज्य सरकार ने विगत दिनों कैंसर के उपचार में बड़ी राहत देते हुए मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना में 73 डे केयर पैकेज लागू किए हैं। इन पैकेज से कैंसर मरीजों को सुगमतापूर्वक निःशुल्क उपचार उपलब्ध हो रहा है।

RMRS की बैठक: जल्द पूरा करें ऑपरेशन थियेटर का काम

स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट की आरएमआरएस की बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि संस्थान के दूसरे चरण का निर्माण कार्य जल्द से जल्द पूरा कर इसे क्रियाशील किया जाए। उन्होंने निर्माणाधीन 6 ऑपरेशन थियेटर का काम शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। इसके लिए आरएमआरएस से राशि का उपयोग करने की मंजूरी भी बैठक में प्रदान की गई। सिंह ने कहा कि कैंसर की सभी दवाओं को उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं, ताकि किसी भी रोगी को दवा के लिए परेशान नहीं होना पड़े। उन्होंने कहा कि इंस्टीट्यूट में सीजीएचएस, ईजीएचएस या अन्य स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत भी उपचार उपलब्ध करवाने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए।

आरयूएचएस में सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं का होगा विस्तार

जयपुर। चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने शनिवार को राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय से संबद्ध आरयूएचएस अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी एवं अन्य सुविधाओं के विस्तार को लेकर समीक्षा की। उन्होंने अस्पताल के सुचारू संचालन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। आरयूएचएस परिसर में आयोजित बैठक में सिंह ने कहा कि राज्य सरकार आरयूएचएस अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सेवाओं के विस्तार एवं इसे एम्स की तर्ज पर रिम्स के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कदम उठा रही है। आरयूएचएस प्रबंधन इस दिशा में एक्शन प्लान तैयार कर उसकी प्रभावी क्रियान्विति सुनिश्चित करे। अतिरिक्त मुख्य सचिव ने सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी को निर्देश दिए कि आरयूएचएस अस्पताल में सुपर स्पेशलिटी सुविधाओं के लिए नियमित भर्तियां होने तक विजिटिंग फैकल्टी के रूप में सवाई मानसिंह अस्पताल से विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं उपलब्ध करवाने पर विचार किया जाए। इसका डे-वाइज प्लान तैयार किया जाए। उन्होंने आवश्यकतानुसार पदों के सृजन का प्रस्ताव तैयार कर भिजवाने के भी निर्देश दिए।

दानदाताओं से ले सहयोग

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि अस्पताल परिसर में स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के साथ समन्वय कर दानदाताओं के सहयोग से धर्मशाला का भी निर्माण करवाया जाए, ताकि रोगियों के परिजनों को आवास के लिए सुविधा मिल सके। बैठक में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. धनंजय अग्रवाल, प्रो वाइस चांसलर डॉ. सुधांशु मक्कड़, एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी, अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी, जयपुरिया अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेश मंगल, रजिस्ट्रार हरफूल पंकज, उप निदेशक राजमेस डॉ. वंदना शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

पिछली सरकार की योजना पर चलेगी कैंची

स्कूलों में बच्चों के लिए अब दूध की जगह मिलेट्स देने की हो रही प्लानिंग

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश की बीजेपी सरकार पूर्ववर्ती गहलोत सरकार की एक और योजना को बंद करने पर विचार कर रही है। शिक्षा विभाग में कक्षा 8वीं तक के छात्रों को दूध उपलब्ध कराने वाली मुख्यमंत्री बाल गोपाल योजना की बजाय अब छात्रों को मिड डे मील में ही मिलेट्स देने की प्लानिंग की जा रही है।

इसके पीछे शिक्षा मंत्री ने तर्क दिया है कि कुछ बच्चे पाउडर का दूध पीने से परहेज करते हैं और हर जगह गाय के दूध की उपलब्धता नहीं है। ऐसे में बच्चे कुपोषित न रहें, इसलिए पीने की जगह खाने का विकल्प सोचा जा रहा है। स्कूलों में जुलाई के बाद से दूध पाउडर की सप्लाई नहीं हुई है। इस पर प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने तर्क दिया कि बाल गोपाल दूध योजना के तहत दिए जाने वाले दूध से कुछ बच्चे परहेज करते हैं। हालांकि, अभी एक्सपर्ट्स के साथ इसका हल ढूंढा जा रहा है कि बच्चों के लिए अच्छा क्या हो सकता है, ताकि बच्चों का स्वास्थ्य भी ठीक रहे। उन्होंने कहा कि गाय का दूध भी हर जगह संभव नहीं है और गारंटी भी नहीं है कि गाय का दूध मिलेगा। इसलिए सोच रहे हैं कि मिलेट्स (मोटे अनाज) से आपूर्ति की जाए, क्योंकि वो बच्चों को कुपोषित नहीं देखना चाहते, इसलिए पीने की जगह खाने की सामग्री भी आ सकती है। कदम वो उठाया जाएगा जो छात्रों के लिए स्वास्थ्यवर्धक रहे।

राज्यपाल से राज्य मंत्री की भेंट

***जयपुर।** राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से राजभवन में शनिवार को गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने मुलाकात की। उन्होंने इस दौरान राज्यपाल को राम मंदिर और भगवान श्री राम का छाया चित्र भी भेंट किया। राज्यपाल बागडे से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।*

मंत्री नहीं, लेकिन संत्री हूं: किरोड़ी

दौसा। जिला मुख्यालय पर शनिवार को आयुष्मान हॉस्पिटल उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के इस्तीफे को लेकर बड़ा बयान दिया। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि किरोड़ी लाल मीणा मंत्री थे, मंत्री हैं और मंत्री रहेंगे। ऐसे में जवाहर सिंह बेढम के बयान के बाद एक बार फिर से सियासी बयानबाजी तेज हो सकती है। वहीं, कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने मंच से लोगों को संबोधन करते हुए कहा कि मैं मंत्री नहीं संत्री हूं। बता दें कि शनिवार को कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा और गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम दौसा जिला मुख्यालय पर स्थित आयुष्मान हॉस्पिटल का उद्घाटन करने के लिए दौसा पहुंचे थे। इस दौरान सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने ये बातें लोगों के सामने कही।

अपने जन्मदिवस पर दूदू में जनसभा में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा...

आपका अमूल्य आशीर्वाद ही मेरी कार्य शक्ति को बल प्रदान करता है

बेधड़क | जयपुर

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को अपना 55वां जन्मदिवस मनाया। इस अवसर पर जयपुर एवं दूदू विधानसभा क्षेत्र के निवासियों ने हजारों की संख्या में उपमुख्यमंत्री का दिल खोलकर स्वागत-अभिनंदन किया और जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने फूल बरसा कर जगह-जगह उनका भव्य स्वागत किया। डॉ. बैरवा ने भी पूरी आत्मीयता के साथ सभी का अभिवादन और शुभकामनाएं स्वीकार कीं। उपमुख्यमंत्री ने उपस्थित जन समूह के असीम स्नेह और शुभकामनाओं से अभिभूत होते कहा कि जन्म दिवस के अवसर पर दूदू विधानसभा क्षेत्र के शैलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में आयोजित जन आशीर्वाद कार्यक्रम में उपस्थित समस्त पदाधिकारियों, देव तुल्य कार्यकर्ताओं, एवं सम्मानित जनता-जनार्दन द्वारा प्रदत्त शुभकामनाएं एवं स्नेहाशीष के लिए हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूं। इस अवसर पर मेरे स्वागत के लिए आप सभी ने जिस प्रकार अपने प्रेम और आशीर्वाद की अविरल वर्ष की है उसे शब्दों में व्यक्त करना मेरे लिए अत्यंत कठिन है। उन्होंने कहा कि आप सबके द्वारा प्रदत्त यह अमूल्य आशीर्वाद ही आपणो अग्रणी राजस्थान के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार करने के लिए मेरी कार्य

शक्ति को अद्वितीय बल प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि मेरे प्रति आपका यह अटूट विश्वास और असीम समर्थन ही है जो मुझे निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने तथा हमारे गौरवशाली राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए अनवरत प्रयासरत रहने का अपार सामर्थ्य प्रदान करता है।

मैं आप सभी का कोटि-कोटि धन्यवाद ज्ञापित करता हूं और आशा करता हूं कि आपका यह स्नेह और समर्थन सदैव इसी प्रकार बना रहेगा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, केंद्रीय राज्यमंत्री एवं अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधीकरण उपस्थित रहे।

मोती डूंगरी गणेश मंदिर से की दिन की शुरूआत

अपने दिन की शुरुआत उप मुख्यमंत्री ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर दर्शन से की। मानसरोवर वीर तेजाजी मंदिर दर्शन के बाद बाणियावाली स्थित गौशाला पहुंचे। इसके पश्चात विभिन्न जगहों पर उपमुख्यमंत्री का स्वागत सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। रेनवाल मांजी, हरसुलिया स्टैंड, लदाना मोड़, फागी सहित रामनाडा, चौरू मोड़, मौजमाबाद एवं विभिन्न स्थानों से होते हुए 500 गाड़ियों का काफिला दूदू स्थित शैलेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में पहुंचा। अपने लोकप्रिय नेता की एक झलक देखने और शुभकामनाएं देने के लिए लगभग 30 हज़ार लोग उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री ने भी इस दौरान सभी से आत्मीयता पूर्वक संवाद किया। उत्साहित जनसमूह अपने डॉ बैरवा के समर्थन में नारे लगा रहा था।

सोशल मीडिया पर ट्रेंडिंग में रहा का जन्मदिन

उप मुख्यमंत्री डॉ बैरवा का जन्मदिन आज पूरे दिन भर सोशल मीडिया पर पहले स्थान पर ट्रेडिंग में रहा। पूरे दिन #DrPremBairwa #DyCMRajasthan #HB-DPremJi #Rajasthan ट्रेंड करता रहा।

ADMISSIONS OPEN 2024-25

School Of Pharmceutical Sciences

B.Phram	D.Pharm

School of Allied Health Sciences

Paramedical COURSES

DRT	DMLT
DOTT	DECGT
DOPT	
BRT	BMLT
BOTT	

Physiotherapy COURSES

BPT	MPT

More Information: +91 9289800300

MAIN CAMPUS : Nirwan University Jaipur, Near Bassi- Rajadhok Toll, Agra Road, Jaipur- 303305,
CITY OFFICE : 21, Sahkar Marg, 1st Floor, Near 22 Godam Circle, Jaipur – 302019 Rajasthan,
Call : +91 141- 2228000 | Email : info@nirwanuniversity.ac.in | Website : www.nirwanuniversity.ac.in

जरूरी खबर

18 साल बाद मिली पत्नी, 16 शृंगार करा साथ ले गए पति

भरतपुर। अपना घर आश्रम में शनिवार को रिश्ते, इंसानियत और प्यार का एक अनूठा दृश्य देखने को मिला। आश्रम में शनिवार को कर्नाटक के गांव मटौली निवासी शिवलिंगप्पा 16 शृंगार का सामान लेकर पहुंचे और 18 साल बाद मिली पत्नी को आश्रम से खुशी-खुशी अपने साथ घर लेकर गए। शिवलिंगप्पा ने अपनी पहली पत्नी को मृत समझकर तीन बच्चों की परवरिश के लिए दूसरी शादी कर ली थी। अपना घर आश्रम के सचिव बसंतलाल गुप्ता ने बताया कि महिला प्रभुजी ललिता 2013 में चेरिटेबल ट्रस्ट सूरत में रेस्क्यू की गई थी और स्थान अभाव के कारण अपना घर भरतपुर में भर्ती कराया था। इनका तभी से उपचार चल रहा था।

ज्वेलर केस का दूसरा आरोपी 7 दिन पुलिस रिमांड पर

भिवाड़ी। शहर के कमलेश ज्वेलर्स के मालिक की हत्या-लूट मामले में पुलिस ने दूसरे आरोपी अनिल को पुलिस में कोर्ट में पेश किया। जहां से मजिस्ट्रेट ने उसे 7 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। आरोपी का पैर फ्रैक्चर होने के कारण पुलिस उसे दोनों तरफ से कंधे पर हाथ रखवा कर पकड़ कर कोर्ट में लेकर आई। बदमाश को कोर्ट में पेश करते समय भिवाड़ी थाना अधिकारी देवेंद्र प्रसाद शर्मा सहित भारी पुलिस जाप्ता मौजूद रहा।

हंगामा, बंद रहा सरदारशहर कस्बा

चूरू। जिले के सरदारशहर में एक धार्मिक स्थल के पास रामदेवरा पैदल यात्री संघ के डीजे को रोकने को लेकर हंगामा हो गया। इस घटना के विरोध में शनिवार को सरदारशहर बंद रहा। साथ ही आक्रोशित सफाई कर्मचारियों ने काम बंद कर अपना विरोध जताया। दरअसल, ये पूरा मामला शुक्रवार देर शाम का है। घटना के विरोध में सरदारशहर थाने के बाहर बड़ी संख्या एकत्रित हुए लोगों ने प्रदर्शन भी किया था। साथ ही आरोपियों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग की गई थी। वहीं, वाल्मीकि समाज के पैदल यात्रियों के साथ मारपीट के आरोप में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है।

2 सितंबर से उदयपुर से कोटा होकर आगरा जाएगी वंदे भारत, अभी 858 सीटों में से सिर्फ 107 टिकट ही बुक

उदयपुर-आगरा कैंट वंदे भारत में नहीं दिखा यात्रियों का रुझान

बेधड़क | कोटा

उदयपुर से जयपुर के बीच चलने वाली वंदे भारत को पर्याप्त यात्री भार नहीं मिल पाने के कारण उसे सप्ताह में तीन दिन उदयपुर से कोटा होते हुए आगरा तक चलाने का निर्णय रेलवे ने लिया है। अब यह ट्रेन 2 सितंबर यानि सोमवार से कोटा होकर आगरा तक चलेगी और इसी दिन वापसी भी होगी।

रेलवे ने इस प्रीमियम सेमी हाई स्पीड ट्रेन के लिए बुकिंग 10 अगस्त के पहले से शुरू कर दी थी। 2 सितंबर को चलने वाली ट्रेन में महज 107 टिकट अभी तक बुक हुए हैं, जबकि रेलवे ने बुकिंग 858 सीटों के लिए खोली थी। ट्रेन में 751 सीटें खाली हैं। ऐसे में उदयपुर से कोटा होकर आगरा आने और जाने वाली दोनों ट्रेनों में महज 13 फीसदी के

आसपास ही टिकट बुक हुए हैं। इसके अलावा सप्ताह में तीन दिन चलने वाली ट्रेन में 5, 7, 9, 12 और 14 सितंबर को भी यही स्थिति है। इसका कारण यह भी है कि ट्रेन का किराया काफी ज्यादा है, जबकि इस रूट पर चल रही अन्य ट्रेनों का किराया कम है।

एग्जीक्यूटिव चेयरकार में बुक हुई केवल 4 सीट

उदयपुर से कोटा और आगरा की 2 सितंबर यानि पहले फेरे की बुकिंग की स्थिति देखी जाए, तो एसी चेयरकार (सीसी) में 401 सीटों पर बुकिंग होनी है, इसमें 41 सीट ही भरी हुई हैं, जबकि 360 सीट खाली हैं। दूसरी तरफ एग्जीक्यूटिव चेयरकार (ईसी) की बात की जाए तो 35 सीटों पर बुकिंग होनी है, इनमें से केवल चार की बुकिंग हुई है, 31 खाली हैं। आगरा से कोटा और उदयपुर की सीट बुकिंग देखी जाए तो सीसी में 389 सीट्स रेलवे ने बुकिंग के लिए खोली हैं, इनमें से महज 51 फुल हुई हैं, जबकि 338 अभी खाली हैं। ईसी में 33 सीटों पर बुकिंग होनी है, जिनमें से एक सीट बुक हुई है, जबकि 32 खाली है।

ईसी किराया फर्स्ट एसी से ज्यादा

वंदे भारत एक्सप्रेस में कैटरिंग की सुविधा भी यात्रियों को उपलब्ध कराई जाएगी। इस वंदे भारत एक्सप्रेस में सीसी का किराया अन्य ट्रेन के सेकंड एसी से कुछ कम है, जबकि ईसी का किराया फर्स्ट एसी से ज्यादा है। कोटा-पटना ट्रेन में कोटा से आगरा का किराया सेकंड एसी में 915 और फर्स्ट एसी में 1525 रुपए है, जबकि वंदे भारत एक्सप्रेस में कोटा से आगरा का सीसी का किराया 830 और ईसी का 1635 है। इसी तरह से मेवाड़ एक्सप्रेस में कोटा से उदयपुर का किराया सेकंड एसी में 760 और फर्स्ट एसी में 1255 रुपए है, जबकि वंदे भारत में सीसी में 745 और ईसी में 1465 रुपए है।

लोगों को मिले अधिक जानकारी

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण का कहना है कि यह पूरी तरह से नई ट्रेन चल रही है। अभी ज्यादा पॉपुलर भी नहीं है। यह जब पॉपुलर होगी, तब इसको यात्री भार भी मिलने लग जाएगा। रेलवे इस संबंध में पूरा प्रयास कर रहा है। ट्रेन से संबंधित समाचार और जानकारी लोगों को ज्यादा से ज्यादा मिले।

वंदे भारत ट्रेन का बूंदी स्टेशन पर रहेगा ठहराव

अजमेर। रेलवे उदयपुर-आगरा कैंट-उदयपुर वंदे भारत रेलसेवा का बूंदी स्टेशन पर ठहराव करेगा। उदयपुर-आगरा कैंट वंदे भारत (सप्ताह में 03 दिन) रेलसेवा 2 सितंबर से बूंदी स्टेशन पर 09.08 बजे आगमन एवं 09.10 बजे प्रस्थान रहेगा। वापसी में उसी दिन से बूंदी स्टेशन पर 19.38 बजे आगमन एवं 19.40 बजे प्रस्थान रहेगा।

नहाते समय गहराई में समाए, ग्रामीणों ने निकाले शव

एनीकट में डूबने से 4 की मौत

बेधड़क | उदयपुर

■ डेढ़ घंटे बाद पहुंची सिविल डिफेंस की टीम

जिले के कुराबड़ ब्लॉक के लालपुरा गांव में शनिवार दोपहर को एक दिल दहला देने वाली घटना घटी, जिसमें तीन बच्चों और एक युवती की एनीकट में डूबने से मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब चारों लोग बकरियां चराते हुए एनीकट में नहाने गए थे और गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गए।

घटना शनिवार दोपहर के समय 3 बजे की है। वहीं उदयपुर से दूर होने के कारण बचाव दल को आने में डेढ़ घंटे का समय लग गया। ऐसे में ग्रामीणों ने ही शव निकाल लिए। घटना के बाद मृतकों के शव कुराबड़ लेकर आए। जहां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की मॉर्च्युरी में रखवाया गया है।

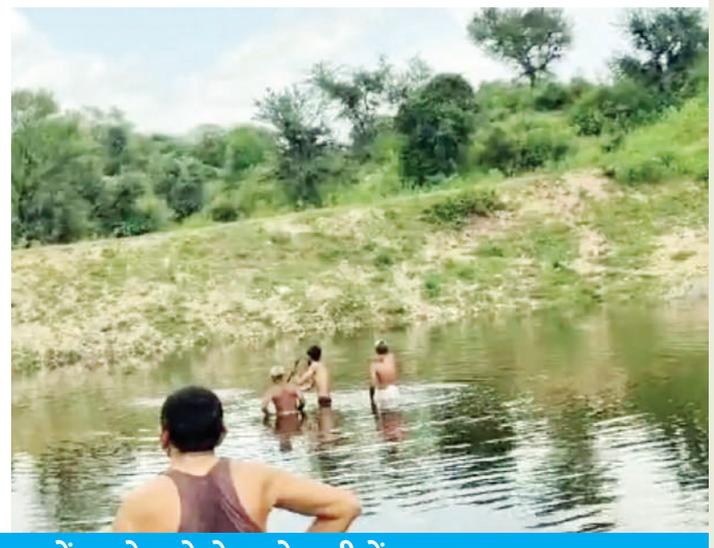

एनीकट में नहाने उतरे थे, गहरे पानी में समा गए

जानकारी के मुताबिक शनिवार दोपहर कुराबड़ थाना क्षेत्र के लालपुरा गांव के पास जंगल में बकरियां चराने गए सुरो का गुड़ा निवासी राजू (15) पुत्र नानालाल, तारा (13) पुत्री नानजी, पार्वती (15) पुत्री धन्ना और भूरी (20) पुत्री शंकरलाल की मौत हो गई। बकरियां चराने के दौरान चारों एनीकट पर नहाने लगे और इस दौरान गहरे पानी में जाने के बाद डूबने से मौत हो गई।

परिजनों ने शवों से निकाला पानी

कुराबड़ पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने रवाना होते ही उदयपुर में सिविल डिफेंस टीम को सूचना दी। जिस पर टीम भी मुख्यालय से घटना स्थल के लिए रवाना हुई। लालपुरा गांव में स्थानीय लोगों ने मदद कर पानी में से चारों के शव बाहर निकाले। परिवार के सदस्यों ने बाहर निकाले बच्चे के शवों के पास जाकर उनके पेट से पानी निकालने का प्रयास किया। लेकिन, उन्हें बचाया नहीं जा सके। मौके पर उदयपुर से सिविल डिफेंस की टीम के सदस्य विपुल चौधरी, विजय नकवाल, भवानी शंकर, कैलाश मेनारिया, विष्णु राठौड़, मुकेश सेन भी पहुंचे।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

सूचना पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने मदद कर पानी में से चारों के शव बाहर निकाले। परिवार के सदस्यों ने बाहर निकाले बच्चे के शवों के पास जाकर उनके पेट से पानी निकालने का प्रयास किया। उन्हें उठाने की कोशिश की लेकिन तब तक बच्चों की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना के बाद परिजनों में मातम पसरा है। मृतकों के शव कुराबड़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर पहुंचाया गया।

मोतीसागर बांध में डूबने से छात्र की मौत

टोंक।घाड़ा थाना क्षेत्र के धुआं कला स्थित मोती सागर बांध में डूबने से उसी गांव के छात्र की मौत हो गई। यह शुक्रवार शाम को घर से निकला हुआ था। शनिवार सुबह करीब 9 नहाने गए लोगों को बांध में ऊपरी सतह पर नजर आया। बाद में परिजनों को और पुलिस को इसकी सूचना दी गई। परिजन मौके पर पहुंचे। जहां बेटे का शव देखकर बिलख पड़े। इसी दौरान घाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को दूनी अस्पताल ले गई। शव का पोस्टमार्टम करवाकर उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। धुआं कला के नायब तहसीलदार रामदेव धाकड़ ने बताया कि धुआं कला निवासी हिमांशु (16) पुत्र दिनेश कुमार शर्मा सरोली में निजी स्कूल में कक्षा 12 में पढ़ता था। वह गत दिनों गांव आया हुआ था। वह शुक्रवार शाम को करीब 7 से घर से बिना बताए घर से निकला था। वह दस बजे तक भी घर नहीं लौटा तो परिजन उसे तलाश करने में जुट गए। लेकिन देर रात भी कहीं उसका सुराग नहीं लगा।शनिवार सुबह करीब 9 बजे हिमांशु का शव लोगों को पानी की उपरी सतह पर दिखाई दिया। बाद में लोगों ने परिजनों, पुलिस को सूचित किया। इसके बाद मैं (नायब तहसीलदार) भीगिरदावर कमलेश कुमार मीणा, हल्का पटवारी के साथ मौके पर पहुंचा और शव को दूनी अस्पताल भिजवाया। मृतक दो भाई व एक बहन है। मृतक के पिता की धुआं कला में दुकान हैं।

दुर्घटना में घायल हो गई थी घायल महिला

मरने के बाद भी 4 को जिंदगी दे गई 46 साल की ब्रेनडेड कंवराई देवी

बेधड़क | जोधपुर/जयपुर

सड़क दुर्घटना में घायल होने के बाद एम्स में भर्ती एक 46 वर्षीय महिला को ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया। परिजनों की सहमति से शनिवार महिला के अंगों को दान किया गया। कंवराई देवी के ब्रेन डेड हो जाने के बाद उनके हार्ट, लीवर और एक किडनी को फ्लाइट से जयपुर में ले जाया गया।

लीवर को महात्मा गांधी अस्पताल को अलॉट किया गया, जबकि हार्ट और एक किडनी एसएमएस अस्पताल में और एक किडनी जोधपुर में ही मरीज को ट्रांसप्लांट की गई। इस तरह कंवराई देवी ने मरने के बाद भी चार लोगों को नया जीवन दिया। एम्स के डॉ. ए एस संधू ने बताया कि हार्ट को कुछ घंटों में ही काम में लिया जाता है, इसलिए फ्लाइट से भेजा गया हैं। एम्स से प्राप्त जानकारी के अनुसार कंवराई देवी को सिर में चोट लगी थी। वह एम्स में 28 अगस्त को भर्ती हुई थी।

यहां पर उसकी सभी तरह की जांच की गई। इसके बाद मरीज को एआईसीयू में भर्ती किया गया। 30 अगस्त को सुबह जांच में वह ब्रेन डेड पाई गई, जिसके बाद डॉक्टरों ने परिजनों की काउंसलिंग करना शुरू किया। उन्हें अंगदान

का महत्व समझाया। कंवराई देवी के पति रतनलाल, पुत्र तरुण व भाई विक्रम शामिल थे। इसके बाद वे अंगदान के लिए तैयार हो गए। एम्स प्रबंधन ने परिजनों के प्रति अंगदान के लिए कृतज्ञता जताई। उल्लेखनीय है कि विगत दो माह यह दूसरा अंग दान हैं।

कंवराई देवी के पति रतनलाल ने बताया कि 28 अगस्त को हम गाड़ी से जैतारण से खारिया मीठापुर जा रहे थे। इस दौरान सड़क पर एक तरफ विपरीत साइड से गाडी आ गई।

एक तरफ रामदेवरा के श्रद्धालु आ रहे थे। इनको बचाने के लिए गाड़ी सड़क से नीचे उतर कर गिर गई। इस हादसे में मेरी पत्नी घायल हो गई। उसे हम एम्स लेकर आए। एम्स में डॉक्टरों ने उपचार शुरू कर दिया। एक दिन बाद हमें समझाया गया कि वह ब्रेन डेड हो गई। उनके अंगदान कर हम चार लोगों का जीवन बचा सकते है। जिसके बाद हमने अंगदान करने का निर्णय लिया।

नवनियुक्त सभापति सरोज अग्रवाल ने कार्यग्रहण पर कहा...

बूंदी शहर को बनाएंगे स्मार्ट सिटी

बेधड़क | बूंदी

बूंदी नगर परिषद की नवनियुक्त सभापति सरोज अग्रवाल ने शनिवार को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद सभापति पद का कार्यभार संभाला। अधीक्षण अभियंता अरुणेश शर्मा ने उन्हें पदभार ग्रहण करवाया। अग्रवाल ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी मिली है, उसे वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाएंगी। उनका पहला प्रयास शहर को स्वच्छ रखना होगा, और शहर में घूम रहे गोवंश को गौशालाओं में पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बूंदी को पर्यटन नगरी के रूप में विकसित

करने के लिए नए आयाम स्थापित किए जाएंगे। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने गुरुवार को सरकारी भूमि पर कब्जा और अतिक्रमण करने के मामले में बूंदी नगर परिषद की सभापति मधु नुवाल को सस्पेंड कर दिया था। उन पर पद के दुरुपयोग के आरोप थे।

जिले की पॉक्सो कोर्ट संख्या दो ने सुनाया फैसला

दुष्कर्म के आरोपी दादा को आखिरी सांस तक जेल

बेधड़क | बारां

जिले में दो साल पहले रिश्तों को तार-तार करने वाले 71 साल के दादा के पांच साल की पोती के साथ दुष्कर्म मामले में अब कोर्ट ने फैसला सुनाया है।

मामले में पॉक्सो कोर्ट संख्या दो की न्यायाधीश सोनिया बेनीवाल ने आरोपी दादा को दोषी करार देते हुए, उसे आखिरी सांस तक जेल में रहने की सजा सुनाई। साथ ही दोषी दादा पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। विशिष्ट लोक अभियोजक

हरिनारायण सिंह ने बताया कि अक्टूबर 2022 में हरनावदा शाहजी थाने में एक महिला ने उपस्थित होकर रिपोर्ट दर्ज करवाई थी, जिसमें उसने बताया था कि उसकी 5 साल की बेटी घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान उसकी जेठानी ने उसे बताया कि उसकी बेटी ने बच्ची को उसके मामी ससुर के साथ सोते हुए देखा था और बच्ची जोर-जोर से रो रही थी। उस पर वो जेठानी के साथ मामी ससुर के घर गई, जहां उसने देखा कि आरोपी बच्ची के साथ गलत काम कर रहा था। इस पर महिला ने आरोपी को धक्का देकर बच्ची को अपने पास खींच लिया।

इस संबंध में पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में आरोपी मामी ससुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। मामले में 12 दिसंबर, 2022 को आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ 17 फरवरी, 2023 को पॉक्सो एक्ट की धाराओं में कोर्ट में चालान पेश किया।

मामले में न्यायालय ने 18 गवाह और 24 दस्तावेजी सबूत के आधार पर आरोपी को दोषी पाया और आरोपी दादा को आखिर सांस तक जेल में रहने की सजा सुनाई। साथ ही दोषी दादा पर 50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

रामदेवरा मेले की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर ने दिए निर्देश

अतिक्रमण करने वाले और सीधे लाइन लगवाने वालों पर रहेगी नजर

बेधड़क | जैसलमेर

■ बाबा रामदेव के 640वें भादवा मेले का 5 सितंबर को होगा शुभारंभ

भगवान श्रीकृष्ण के कलियुगी अवतार माने जाने वाले लोक देवता बाबा रामदेव का 640वां भादवा मेला 5 सितंबर से विधिवत रूप से शुरू होने जा रहा है। इस मेले में हर बार की तरह इस बार भी लाखों की संख्या में देश के अलग-अलग हिस्सों से श्रद्धालु बाबा रामदेव की समाधि के दर्शन करने आएंगे।

हालांकि, श्रद्धालुओं के आने का दौर अभी से ही शुरू हो गया है। इधर मेले को लेकर जैसलमेर जिला प्रशासन व पुलिस विभाग रामदेवरा कस्बे में मेले के सफल आयोजन को लेकर मुस्तैदी से जुट गया है। प्रशासन की ओर से मेले की तैयारियों को अंतिम रूप दिए जाने का कार्य किया जा रहा है। वहीं रामदेवरा मेले

को लेकर जैसलमेर जिला कलेक्टर प्रतापसिंह नाथावत ने रामदेवरा में सभी संबंधित प्रशासनिक व विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक के दौरान जिला कलेक्टर ने रामदेवरा मेले को देखते हुए अब तक की तैयारियों को लेकर फीडबैक लिया और विभिन्न दिशा-निर्देश दिए। जिला कलेक्टर ने बैठक के दौरान रामदेवरा के मुख्य बाजार समेत आसपास के क्षेत्र में किए गए अतिक्रमणों को तुरंत हटाने और दर्शनार्थ आने वाले लोगों में लाइनों के दौरान बीच में घुसने जैसी समस्याओं को समाप्त करने पर जोर दिया।

तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा प्रशासन

साथ ही जिला कलेक्टर नाथावत ने ऐसे दुकानदारों के खिलाफ भी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं, जो रामदेवरा आने वाले श्रद्धालुओं को लाइन के बीच में घुसाकर दर्शन करवाते हैं। कलेक्टर रामदेवरा कस्बे के विभिन्न मुख्य मार्गों पर किए गए विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को मरम्मत की आवश्यकता वाली सड़कों को जल्द से जल्द ठीक करवाने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा जिला कलेक्टर प्रतापसिंह ने रामदेवरा मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर भी जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने विभिन्न जगहों का किया निरीक्षण

जिला कलेक्टर प्रतापसिंह नाथावत ने बैठक के बाद लोक देवता बाबा रामदेव के समाधि परिसर सहित रामसरोवर तालाब, मुख्य बाजार और समाधि परिसर में बनी लाइन व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान जिला कलेक्टर ने मेले के दौरान श्रद्धालु यात्रियों के लिए की गई व्यवस्थाओं को देखा और भीड़ को नियंत्रित करने और उनकी सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। वहीं, इसके बाद जिला कलेक्टर रामसरोवर तालाब पहुंचे, जहां उन्होंने एनडीआरएफ की टीम और तैराकों से स्थिति का जायजा लिया। साथ ही तालाब में पानी की अधिकता को देखते हुए सुरक्षा की दृष्टि से अतिरिक्त व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुन्नीराम, मेलाधिकारी प्रभजोत सिंह गिल, पोकरण के अतिरिक्त पुलिस उपाधीक्षक भवानीसिंह, रामदेवरा सरपंच समंदर सिंह सहित अन्य अधिकारी व समाधि समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

ईआरटी कमांडो टीम पहुंची रामदेवरा

जन-जन के आराध्य लोक देवता बाबा रामदेव के भादवा मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्थाओं के मद्देनजर ईआरटी यानी इमरजेंसी रिस्पांस टीम भी रामदेवरा पहुंची है। रामदेवरा पहुंचने के बाद टीम के कमांडो ने ईआरटी के एएसपी किशोर सिंह समेत पुलिस व प्रशासन के अधिकारियों के साथ बाबा रामदेव के समाधि परिसर समेत विभिन्न जगहों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जरूरी खबर

मौसमी बीमारियों के प्रति किया जागरूक

जयपुर। नगर निगम हेरिटेज के सिविल लाइन जोन में मेनोपॉजल महिलाओं और मौसमी बीमारियों पर ट्रेनिंग आयोजित की गई। ट्रेनिंग के दौरान राज्य में मौसमी बीमारियों और जेंडर इक्वलिटी पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में नगर निगम जयपुर हेरीटेज की ब्रांड एंबेसडर कर्णिका बाई, आईसीडीएस विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा सहयोगिनी, सीएफएआर टीम सहित कई अन्य विभागों के लोग शामिल हुए। ब्रांड एंबेसडर पुष्पा माई ने जेंडर इक्वलिटी के महत्व को बताया और थर्ड जेंडर के बारे में जानकारी साझा की। निगम टीम ने गीले कचरे से होम कंपोस्ट बनाने की प्रक्रिया और आरआरआर सेंटर की जानकारी दी। आंगनबाड़ी से आशा सहयोगिनी किरण ने लार्वा पानी के बारे में बताया।

जिसको नोटिस मिला, उसके सम्मान की सिफारिश

जयपुर। ड्रग कंट्रोलर फर्स्ट अजय फाटक द्वारा 17 सीसीए का नोटिस जारी होने के बाद भी एक अधिकारी को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित करवाने के मामले में ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। अधिकारी को सम्मानित करवाने के लिए ड्रग कंट्रोलर ने आयुक्त से भी अनुमति नहीं ली। ड्रग कंट्रोलिंग ऑफिसर सुभाष चंद्र दादरवाल को विभाग ने एक मामले में 17 सीसीए का नोटिस जारी कर रखा है। स्वयं हेल्थ मिनिस्टर गजेंद्र सिंह खींवसर और विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने इस चार्जशीट को मंजूरी दी थी। इसके बावजूद ड्रग कंट्रोल अजय फाटक ने डीसीओ दादरवाल को सम्मानित करवाने की फाइल को अपने स्तर मंजूर दे दी। जबकि नियमानुसार ये फाइल आयुक्त या अतिरिक्त आयुक्त के स्तर पर भिजवाई जाती है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

वीजीयू में एलजीबीटीक्यू समुदाय के अधिकारों पर प्रशिक्षण

समानता और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए मानवाधिकार जरूरी

बेधड़क | जयपुर

विवेकानंद ग्लोबल यूनिवर्सिटी में शनिवार को एलजीबीटीक्यू प्लस समुदायों के बारे में समाज में जागरूकता पैदा करने के लिए 'वकालत और नीति सुधार के माध्यम से एलजीबीटीक्यू प्लस समुदायों को सशक्त बनाना' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि राजस्थान उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश विजय कुमार ने कहा कि देश में एलजीबीटीक्यू समुदायों की स्थितियों के बारे में विस्तार से बताया। लोगों को उनकी दुर्दशा और परिस्थितियों के बारे में संवेदनशील होने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, हमें एलजीबीटीक्यू समुदायों से बात करते समय सामान्य शब्दों का उपयोग करना चाहिए। उनके बारे में जागरूकता पैदा करना आवश्यक है। न्यायमूर्ति कुमार उन्होंने कानून के छात्रों को उनकी समस्या को समझने के लिए एक मजबूत वकील बनने का आह्वान किया।

सकारात्मक बदलाव के लिए कौशल जरूरी

नई भोर संस्था की पुष्पा माई ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम ब्रेकिंग बैरियर का उद्देश्य प्रतिभागियों को एलजीबीटीक्यू प्लस अधिकारों की वकालत करने और उनके समुदायों में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आवश्यक ज्ञान, कौशल और उपकरणों से लैस करना है। वीजीयू लॉ विभाग की अध्यक्ष डॉ. शिल्पा राव रस्तोगी ने उम्मीद जताई कि प्रशिक्षण कार्यक्रम अपने उद्देश्य को पूरा करने में सक्षम होगा और एलजीबीटीक्यू समुदायों की स्थिति को सुधारने में मदद करेगा।

लीगल प्रोफेशन में हर रोज सीखने का दिन

राज्य मानव अधिकार आयोग के सदस्य अशोक कुमार ने कहा कि मानव अधिकार सभी व्यक्तियों में निहित मौलिक स्वतंत्रता और सुरक्षा है, चाहे उनकी जाति, लिंग, धर्म या राष्ट्रीयता कुछ भी हो। समानता और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए मानवाधिकार आवश्यक हैं। वीजीयू के सीईओ इंजि. ओंकार बगरिया ने कहा लीगल प्रोफेशन में हर रोज सीखने का दिन होता है। जज हो या वकील सभी का अपनी प्रतिष्ठा और ईमानदारी और से पीड़ित को समय पर न्याय दिलाने में अपना पहला कर्तव्य होना चाहिए। देश की विधि व्यवस्था का भविष्य युवा पीढी के हाथों में सुरक्षित है। एक्टिंग प्रेसीडेंट प्रो. संतोष कुमार ने आह्वान किया कि भावी अधिवक्ता किताबी ज्ञान के साथ व्यावहारिक और नवाचार, लीगल दक्षता और शोध के द्वारा देश की न्याय व्यवस्था के सुधार में अपना योगदान दें। डॉ. भीमराव अंबेडकर विधि विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निष्ठा जसवाल ने कहा कि अधिकारों में भेदभाव से मुक्ति, उत्पीड़न के डर के बिना प्रामाणिक रूप से जीने का अधिकार और बिना किसी पूर्वाग्रह के स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और रोजगार तक पहुंच जरूरी है। इन अधिकारों को बनाए रखने से समाज में समावेशिता और विविधता के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिलता है। राजस्थान राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष लाड कुमारी ने कहा कि कानून के छात्रों के लिए एलजीबीटीक्यू प्लस समुदायों के मुद्दों और समस्याओं को समझना और उन्हें हल करने में मदद करना महत्वपूर्ण है। लोगों से एलजीबीटीक्यू समुदायों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करने की अपील की।

मोती डूंगरी मंदिर में गणेश चतुर्थी महापर्व का शुभारंभ

251 किलो दूध से किया अभिषेक 500 कलश के साथ शोभायात्रा

फोटो : राजेश कुमावत

बेधड़क | जयपुर

मोती डूंगरी गणेश मंदिर में नौ दिनों तक चलने वाले गणेश चतुर्थी महापर्व का शुभारंभ शनिवार को पुष्य नक्षत्र पर भगवान श्री गणेश का पंचामृत महाभिषेक करने के साथ हुआ। पुष्य नक्षत्र के अवसर पर भगवान श्री गणेश जी की विग्रह को 251 किलो दूध, 25 किलो, बूरा 50 किलो, दही 11 किलो, शहद और 11 किलो गाय का देसी घी से भगवान गणेश जी का महाभिषेक मंदिर महंत केलाश शर्मा ने सहयोगियों के साथ किया। महा अभिषेक से पूर्व लगभग 500 महिलाओं ने सर पर कलश धारण कर मंगलाचरण गीत गाते हुई शोभायात्रा यात्रा निकाली। शोभा यात्रा में आगे हाथी घोड़े ऊंट का लवाजमा चल रहा था, और बैण्ड वादक मधुर भजनों के साथ शोभा यात्रा मोती डूंगरी गणेश मंदिर पहुंचकर समापन हुई। इस अवसर पर गणेश मंदिर में भगवान गणेश का महा अभिषेक देखने वालों का ताता लगा रहा।

नहर के गणेश जी के 251 दीपकों से महाआरती

ब्रह्मपुरी माऊण्ट रोड पर स्थित अतिप्राचीन दाहिनी सूंड दक्षिणमुखी नहर के गणेशजी का शनि पुष्य पर परंपरागत दूर्वा मार्जन से पंचामृत अभिषेक किया गया। मंदिर युवाचार्य पं. मानव शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर मंदिर महंत पं. जय शर्मा के सान्निध्य में प्रातः 8 बजे से गणपति अथर्वशीर्ष के पाठ किए गए। इसके बाद सुबह 9:15 बजे से गणपति का दूर्वा मार्जन से पंचामृत अभिषेक व पूजा अर्चना की गई। दोपहर 2 से 4 के मध्य गणपति प्रभु को नवीन पौषाक धारण करवाकर वैदिक मंत्रों द्वारा 21 मोदकों भोग लगाकर ऋवेदोक्त गणपति मात्रिका का पाठ कर शयन करवाया गया। सायंकालीन महाआरती 251 दीपकों से की गई एवं मंदिर में आने वाले भक्तजनों को अभिमंत्रित सुख-समृद्धि कारक रक्षासूत्र वितरित किए गये।

पुलिस अलंकरण समारोह कल

CID अपराध शाखा के 102 पुलिसकर्मी होंगे सम्मानित

बेधड़क| जयपुर

राजस्थान पुलिस की सीआईडी अपराध शाखा के 102 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सोमवार को पुलिस मुख्यालय के चतुर्थ तल पर आयोजित अलंकरण समारोह में डीजीपी डिस्क, अति उत्कृष्ट सेवा पदक, उत्कृष्ट सेवा पदक, सर्वोत्तम सेवा चिन्ह एवं अति उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किए जाएंगे। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (अपराध शाखा) राजस्थान, जयपुर दिनेश एम एन इस अवसर पर उत्कृष्ट, सराहनीय एवं प्रशंसनीय सेवाएं प्रदान करने वाले 33 पुलिस अधिकारियों व कर्मियों को डीजीपी डिस्क, 14 पुलिसकर्मियों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक, 19 पुलिस कर्मियों को उत्कृष्ट सेवा पदक, 14 पुलिस कर्मियों को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह तथा 22 पुलिस कर्मियों को अति उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करेंगे। डीजीपी डिस्क से सम्मानित होने वालों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोरधन लाल सौंकरिया, सतीश कुमार यादव, शालिनी राज, भरत राज, पुलिस उप अधीक्षक प्रवेंद्र सिंह महला, ओमप्रकाश मीना, पुलिस निरीक्षक उमेश बेनीवाल, अन्तिम शर्मा, राम सिंह नाथावत, बृजभान सिंह (सेवानिवृत्त), उप निरीक्षक कदीर खान, सहायक उप निरीक्षक मुकेश राजावत व अमरचंद, हैड कांस्टेबल मोहम्मद यूनुस खान, बृजेश कुमार निगम, उस्मान अली, सुरेंद्र कुमार शर्मा व शंकर दयाल शर्मा, कांस्टेबल भूपेंद्र कुमार, महेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, नेतराम सैनी, अशोक सिंह, अशोक कुमार वर्मा, रामचंद्र, गिरवर सिंह, मनोज कुमार, नरेंद्र कुमार सैनी, सुभाष चन्द गोरेड़ा, सूरजमल, शंकर लाल, मनीष कुमार एवं अमन कुमार शामिल है।

SMS में मरीज हो रहे परेशान

तीन-तीन बार लाइन में लगने के बाद भी नहीं मिल रही दवाइयां

एजेंसी | जयपुर

सवाई मानसिंह में इन दिनों मरीजों को कई दवाइयों के लिए भटकना पड़ रहा है। तीन-तीन बार दवा काउंटर की लाइन में लगते है और उसके बावजूद पूरी दवाईयां नहीं मिल रही है। ओपीडी में डॉक्टर को दिखाने के बाद जब मरीज पहली बार दवाई लेने डीडीसी काउंटर पर जाता है तो वहां लाइन में लगता है। यहां पूरी दवाई नहीं मिलने के बाद फार्मासिस्ट इसे काउंटर नंबर-11 पर भेजता है। काउंटर नं. 11 पर जब मरीज लाइन में लगकर विंडो पर पहुंचता है तो वहां मौजूद स्टाफ का आदमी मरीज की पर्ची देखता है और उसे पर्ची और आईडी कार्ड की फोटो करवाकर लाने के लिए कहता है। मरीज फोटोकॉपी करवाकर वापस आकर लाइन में लगता है और उस कागज को जमा करवाता है। जमा करवाने के बाद स्टाफ उसे 2 दिन बाद आने के लिए कहता है। ये हालात तब है, जब खुद हेल्थ मिनिस्ट गजेन्द्र सिंह खींवसर कह चुके है कि राज्य में निशुल्क दवा योजना के तहत जितनी भी दवाइयां लिस्ट में हैं। उनका हमारे पास पर्याप्त स्टॉक है। पूरे हॉस्पिटल में कैल्शियम, एटोरवास्टेटिन, सोडियम वैल्प्रोएट, प्रीगैबलिन, थायरोक्सिन समेत अन्य साल्ट की दवाइयां उपलब्ध नहीं है। एसएमएस सूत्रों की माने तो 5-7 दिन से स्टॉक नहीं होने के कारण सबसे ज्यादा परेशानी न्यूरो की बीमारी और थायराइड से ग्रसित मरीजों को हो रही है। इनको ये दवाइयां दी जाती है। वहीं पिछले एक सप्ताह से एंटी बायोटिक्स एजिथ्रोमाइसिन भी उपलब्ध नहीं थी, जो शनिवार को ही स्टॉक में आई।

निर्वाण यूनिवर्सिटी में खेल सप्ताह का आयोजन

खेलों को शैक्षणिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाने का संकल्प

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान युवा बोर्ड (युवा मामले एवं खेल विभाग) एवं उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाए जा रहे खेल सप्ताह के तहत निर्वाण यूनिवर्सिटी में खेल दिवस मनाया गया। यूनिवर्सिटी में इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य न केवल हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देना है, बल्कि युवाओं में खेल भावना और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना भी है। इस अवसर पर निर्वाण युनिवर्सिटी के खेल परिसर में फुटबॉल, क्रिकेट, कबड्डी, बैडमिंटन, टग ऑफ वॉर (रस्साकशी) और टेबल टेनिस जैसी प्रमुख खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ हिस्सा लिया।

खेलों को बढ़ावा देना जरूरी

वाइस चेयरमेन डॉ. आर. के अरोड़ा ने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस के आयोजन का उद्देश्य नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत खेलों को बढ़ावा देना और शिक्षा के साथ शारीरिक स्वास्थ्य के संतुलन को स्थापित करना है। निर्वाण युनिवर्सिटी ने इस पहल को प्राथमिकता देते हुए खेलों को अपने शैक्षणिक कार्यक्रम का अभिन्न हिस्सा बनाने का संकल्प लिया है। इसके साथ ही प्रो. एनडी जसूजा ने जानकारी दी कि खेल दिवस के अवसर पर खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को विशेष सम्मान समारोह में पुरस्कृत भी किया गया। विजेताओं को मेडल, ट्रॉफी, और प्रमाण पत्र देकर उनकी प्रतिभा की सराहना की।

मैराथन में दौड़े विद्यार्थी और फैकल्टी मेंबर्स

साथ ही युनिवर्सिटी ने मैराथन दौड़ का भी आयोजन किया, जिसमें विद्यार्थियों और फैकल्टी मेम्बर्स ने भाग लेकर स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर चेयरमैन डॉ एस. एल. सिहाग ने कहा कि हमारे विद्यार्थी न केवल अकादमिक, बल्कि खेल के क्षेत्र में भी उत्कृष्टता प्राप्त कर रहे हैं, जो हमारे लिए गर्व की बात है।

पंकज ओझा
राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी

शाश्वत सनातन

देश में कई ऐसे मंदिर हैं जो चमत्कारों और रहस्यों से भरे हैं। ऐसे-ऐसे रहस्य हैं जिन्हें आज तक विज्ञान भी नहीं खोज पाया है। ऐसे ही मंदिरों में से एक है कर्नाटक के तुमकुर जिले में डाबासपेट की एक ऊंची पहाड़ी पर स्थित शिवगंगे मंदिर। यहां की खासियत यह है कि यहां पर शिवजी पर चढ़ाते ही घी मक्खन में बदल जाता है। साथ ही यहां पर एक पाताल कुंड भी है, जिसके बारे में मान्यता है कि किसी भग्यवान का ही हाथ इसके पानी तक पहुंच पाता है।

कर्नाटक के तुमकुर जिले में स्थित है 1600 वर्ष पुराना शिवगंगे मंदिर

शिव पर चढ़ाते ही घी मक्खन बन जाता है, भाग्यवान ही छू पाता है कुंड का पानी

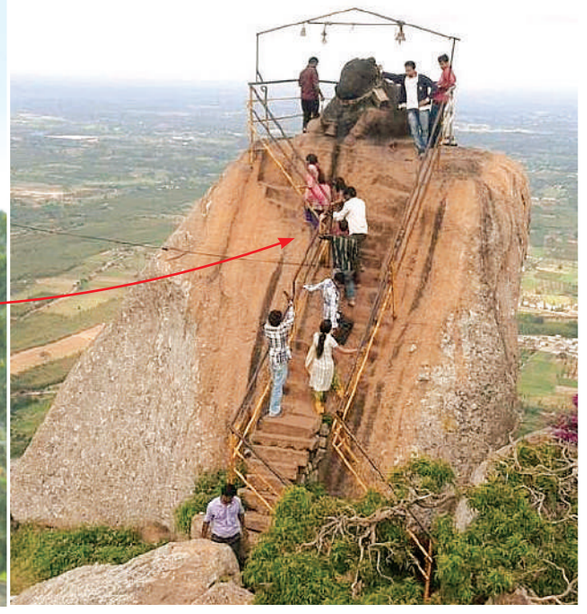

शिवलिंग जैसी है मंदिर वाली पहाड़ी

शिवगंगे मंदिर जिस पहाड़ी पर यह मंदिर स्थित है, उसकी ऊंचाई 1368 मीटर है। दूर से देखने पर ये पहाड़ी एक शिवलिंग की तरह ही नजर आती है। यहां शिव, पार्वती, गंगा, गंगाधरेश्वरा, होन्नादेवी आदि के मंदिर मौजूद हैं। नंदी स्टैच्यू शिवगंगे का सबसे ऊंचा पॉइंट है। इस चोटी तक पहुंचना किसी खतरे से खाली नहीं है।

अभिषेक घी से करने की परंपरा

इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां मौजूद शिवलिंग पर घी अर्पित करने के बाद वो रहस्यमय तरीके से मक्खन में बदल जाता है। शिवगंगे की पहाड़ी पर चढ़ते समय आपको यहां गंगाधरेश्वरा मंदिर पड़ेगा, जो भगवान शिव को समर्पित है। यहां भगवान शिव का अभिषेक घी से करने की परंपरा है। जनश्रुति के अनुसार इस मंदिर के गर्भगृह से एक गुप्त सुरंग मार्ग गुजरता है, जो 50 किलोमीटर दूरी पर स्थित गवि गंगाधरेश्वर मंदिर में निकलता है।

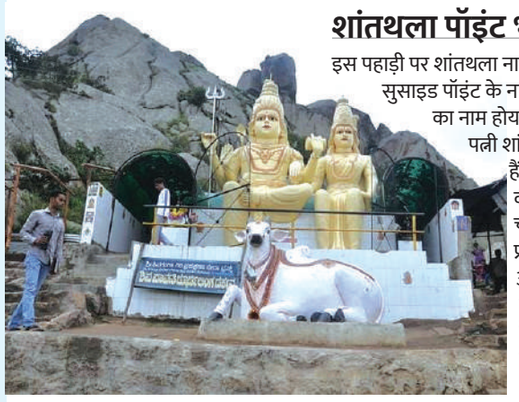

शांतथला पॉइंट भी है फेमस

इस पहाड़ी पर शांतथला नाम से एक पॉइंट भी है जिसे सुसाइड पॉइंट के नाम से जाना जाता है। इस जगह का नाम होयसला राजा विष्णुवर्धना की पत्नी शांतथला के नाम पर पड़ा। कहते हैं कि रानी शांतथला अपने पति की सत्ता संभालने के लिए बेटा चाहती थीं, लेकिन उन्हें संतान प्राप्ति नहीं हुई, इस बात से वह अवसाद में चली गई और एक दिन उन्होंने यहां से कूदकर जान दे दी। यह एक अद्भुत मंदिर है जो सम्पूर्ण भारत मे अपनी इस विशेषता के लिए प्रसिद्ध है।

भाग्यशाली ही छू सकता है कुंड का पानी

शिवगंगे मंदिर को दक्षिण की काशी कहा जाता है। यहां एक छोटा कुण्ड है। कहा जाता है कि कुण्ड में पानी पाताल से आ रहा है, इसीलिए इसे पाताल गंगा भी कहा जाता है। कुण्ड के पानी का लेवल घटता-बढ़ता रहता है। ऐसी मान्यता है कि जिसका भाग्य अच्छा होता है, उसे ही कुंड में हाथ डालने पर पानी मिलता है।

कॅरिअर परामर्श

शौक बड़ी चीज है... इसे पालकर रखिए!

अर्चना त्यागी

पढ़कर यह खयाल मन में जरूर आएगा कि कॅरिअर बनाने के कीमती समय को शौक पूरा करने में बर्बाद करने का क्या मतलब है? यह सही है कि कॅरिअर बनाना आज के समय में सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चे के पैदा होते ही माता पिता उसके शानदार कॅरिअर के सपने बुनने लगते हैं। यह अलग बात है कि भारत जैसे देश में बच्चों को अपने कॅरिअर का चुनाव करना ही बहुत देर से आता है। सही कॅरिअर का सही समय पर चुनाव करने वाले युवाओं का प्रतिशत बहुत कम है। एक बात यहां पर साझा करना जरूरी समझती हूं। महान वैज्ञानिक और गणितज्ञ अल्बर्ट आइंस्टीन संगीत से बहुत लगाव रखते थे। जैसे विज्ञान की प्रयोगशाला उन्होंने बनवाई हुई थी वैसे ही उनका संगीत कक्ष भी था। उन्हें वाद्य यंत्र बजाने का बहुत शौक था और हर प्रकार के वाद्य यंत्र उनके कक्ष में रखे रहते थे। जैसे नियमित रूप से प्रयोगशाला में वो जाते थे वैसे ही अपने संगीत कक्ष में भी समय बिताते थे। उनका मानना था कि मस्तिष्क को विश्राम देने के लिए संगीत से बेहतर कोई दूसरा विकल्प नहीं है।

अकेले आइंस्टीन ही अपनी रुचि के कार्य को महत्वपूर्ण मानते हो ऐसा बिल्कुल नहीं है। सभी सफल लोग कोई न कोई पसंदीदा कार्य ऐसा अवश्य करते हैं जिसमें उनके मन की संतुष्टि छुपी होती है। निरंतर एक ही काम को करते जाने से एकरसता आ जाती है। वापिस पूरे उत्साह के साथ काम पर लौटने के लिए मन मस्तिष्क का तरोताजा होना उतना ही आवश्यक है जितना किसी भी काम को पूरा करना।

अभिभावकों को चाहिए कि बच्चे की रुचि को पहचानकर उसे निखारने के लिए प्रोत्साहित करें। उसे कोई न कोई मनपसंद काम अवश्य करने दें। बचपन से इस आदत को विकसित करने पर वह तनाव को भगाना सीख जाएगा। कभी भी अवसादग्रत नहीं होगा। इतना ही नहीं उसके व्यवहार में भी आकस्मिक बदलाव नहीं आएगा। उसके दिमाग के किसी कोने में यह बात अवश्य रहेगी कि उसके माता पिता ने उसकी पसंद नापसंद को महत्व दिया है। इसलिए कभी भी वह अपने मां बाप का विरोध नहीं करेगा। नाजुक पलों में भी नशे की गिरफ्त में नहीं आएगा। बच्चों को भी अपनी रुचि के कार्य में मन लगाना चाहिए। मां बाप यदि सहयोग नहीं करें तो उन्हें मनाने का प्रयास अवश्य करना चाहिए। मां बाप अपने बच्चे को खुश देखना चाहते हैं तो देर सबेर उसकी रुचि के कार्य में उसको प्रोत्साहन अवश्य देंगे। यह अभ्यास न केवल बेहतर इंसान बनने में मदद करेगा बल्कि जीवन को भी सरल बना देगा। एकाग्रता बढ़ाएगा और मानसिक स्वास्थ्य में बढ़ोतरी करेगा। इस समय समाज को ऐसी ही युवा पीढ़ी की आवश्यकता है।

कविता

सुहागन का चांद

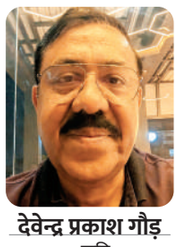

देवेन्द्र प्रकाश गौड़
कवि

अपने चित्रकार हृदय से यह निवेदन है मेरा, उकेरो अपनी कल्पना कहीं भी यह कहना है मेरा ।

पर दूर रखो इस नीले अम्बर को अपनी कल्पना से,
पर दूर रखो अपनी कूंची को आसमां में बादल बढ़ाने से ।

अच्छा लगता है जब बादल बनते हैं आसमां में कूंची से,
अच्छा लगता है जब कैनवास पर बढ़ते जाते हैं बादल कूंची से।

पर रोक लो अपनी कूंची को बादल चांद तक बढ़ाने से,
पर रोक लो अपने कैनवास पर बादल चांद पर छा जाने से।

अच्छा लगता है जब कैनवास पर चित्र में बादल चांद पर छा जाए,
अच्छा नहीं लगता सुहागन के व्रत के दिन बादल चांद पर छा जाए।

जब सुहागनें राह तकती है चांद के बादल की ओट से निकलने की,
जब सुहागनें तरस जाती हैं बादल की वजह से चांद के दीदार को।

तनिक भी नहीं सुहाते वे बादल जो चांद को छुपाए रखते हैं, तनिक भी नहीं सुहाते वे पल जो सुहागन को भूखा रखते हैं।

हे चित्रकार, अपनी कूंची रोकना चांद पर बादल बनाने से, हे विधाता! बचाना सुहागन का चेहरा मुरझाने से।

शब्दों की सीख

अगले जनम मोहे कुतिया ही कीजो

यह समाज कैसा है, जहां इंसान को इंसान के साथ नहीं, बल्कि जानवरों के साथ ज्यादा लगाव होता है।

शिवराज गुर्जर
वरिष्ठ पत्रकार व लेखक

'हे भगवान, कौन से जन्मों के पापों की सजा दे रहा है मुझे? यह गंदगी भी मेरी छाती पर ही छोड़नी थी!' मिसेज शर्मा ने अपनी बीमार सास को देखते हुए आक्रोश से भरी आवाज में कहा। उनके शब्दों में छुपे क्रोध और घृणा ने घर के वातावरण को और भी भारी बना दिया था। जैसे ही वह घर में घुसी, उनका चेहरा नाक बंद करते हुए और गुस्से से तमतमाया हुआ था। घर के हर कोने में गंदगी और बदबू का अहसास उन्हें परेशान कर रहा था। उन्होंने इधर-उधर नजर दौड़ाई और नौकरानी कांताबाई को खोजते हुए चिल्लाई, 'कांताबाई! अरी, कहां मर गई तू भी? इस बुढ़िया ने पूरा घर गंदगी से भर दिया है, तू कहां है?' उनकी आवाज में इतना गुस्सा था कि पास के कमरे में बैठी उनकी सास भी उसे सुनने से चौंक गईं।

सास धीमे कदमों से कमरे से बाहर आईं और अपनी बहू का कुर्ता खींचते हुए बोलीं, 'बहू...' मिसेज शर्मा ने सास के स्पर्श को महसूस करते ही एक झटके में अपना कुर्ता छुड़ा लिया और गुस्से में बोलीं, 'हट बुढ़िया, दूर रह! अभी फिर से नहाना पड़ेगा मुझे।' सास को धक्का देकर, मिसेज शर्मा ने कमरे में खड़ी कांताबाई की ओर देखा। कांताबाई चुपचाप खड़ी थी, जैसे उसने यह दृश्य कई बार देखा हो। मिसेज शर्मा ने अपनी नाराजगी जताते हुए कहा, 'कांताबाई, यह तो दिन भर गंदगी करेगी, तू तो साफ कर दिया कर। समझ में नहीं आता तुझे?' कांताबाई ने बिना घबराए जवाब दिया, 'मालकिन, आज तो मांजी ने कुछ भी गंदगी नहीं की। एक दो बार हाजत हुई भी थी तो मुझे बुला लिया था, और मैंने टॉयलेट में ही करा दिया था।' मिसेज शर्मा के चेहरे पर आश्चर्य का भाव आया, 'तो फिर यह गंदगी?' कांताबाई ने ध्यान से बताते हुए कहा, 'मालकिन, अपने डॉगी को दस्त लग गए हैं।' मिसेज शर्मा के चेहरे का रंग बदल गया। उनकी सारा गुस्सा और घृणा एक पल में गायब हो गई।

वे चिंता में चिल्लाते हुए बोलीं, 'अरे बाप रे! मेरा बेटू! क्या हो गया उसे?' इतना कहते ही, उनका प्यारा डॉगी, चूं-चूं करता हुआ उनके पास आ गया। मिसेज शर्मा उसे देखकर पिघल गईं और उसे पुचकारते हुए बैठने लगीं। कांताबाई ने सावधानी से कहा, 'मालकिन, कपड़े गंदे हो जाएंगे।' मिसेज शर्मा ने एकदम से जवाब दिया, 'अरे हो जाने दे, कपड़े कोई डॉगी से बढ़कर हैं क्या?' उन्होंने डॉगी को अपनी गोद में उठा लिया और प्यार से उसके सिर पर हाथ फेरने लगीं। कुछ ही पलों में, जैसे कमरे की बदबू और गंदगी गायब हो चुकी थी। सारा वातावरण उनके और डॉगी के बीच के प्रेम में घुल गया था। दूर से यह सब देख रही उनकी सास का मन भारी हो गया। वह अपनी स्थिति से और भी दुखी हो गईं। उनकी नजरें अब डॉगी पर टिकी थीं, जो उनके बेटे और बहू का लाड़ला बन गया था। वह चुपचाप सब देख रही थीं, लेकिन उनके मन में एक तीव्र भावना उमड़ने लगी। डॉगी को जिस तरह से मिसेज शर्मा ने अपने दिल से लगाया, सास के दिल में एक गहरी चोट लग गई। उन्होंने सोचा, 'शायद, अगर मैं भी इस घर में डॉगी होती, तो मुझे भी इतना प्यार मिलता।' उनकी आंखों में आंसू छलक आए, लेकिन उन्होंने खुद को संभाल लिया। सास ने मन ही मन भगवान से एक दुआ मांगी, 'हे भगवान, अगले जनम में मुझे कुतिया ही बना देना। कम से कम तब तो इस घर में मुझे कुछ प्यार और सम्मान मिलेगा।' वह चुपचाप अपने कमरे की ओर चल दीं। उनकी चाल धीमी थी, जैसे हर कदम उनके दुख और पीड़ा को बढ़ा रहा हो, लेकिन वह जानती थीं कि उनके लिए कोई रास्ता नहीं था। मिसेज शर्मा अभी भी अपने डॉगी के साथ खेल रही थीं। उनके चेहरे पर एक सुकून भरी मुस्कान थी, जैसे डॉगी के साथ बिताए कुछ पल उनके सारे तनाव को भगा देते थे।

कांताबाई चुपचाप खड़ी थी, उसने यह सब देखा और उसके दिल में भी कुछ खयाल उठे। वह सोच रही थी कि आखिर यह समाज कैसा है, जहां इंसान को इंसान के साथ नहीं, बल्कि जानवरों के साथ ज्यादा लगाव होता है। उसने धीरे से कमरे से बाहर कदम रखा और अपने काम में जुट गई। सास अपने कमरे में अकेली बैठी थी। उनका मन भरा हुआ था, लेकिन उनके पास कहने-सुनने वाला कोई नहीं था। उन्होंने एक बार फिर अपने भगवान से बात की, 'हे भगवान, क्या मैं इतनी बेकार हूं कि मेरे ही घर में मुझे कोई प्यार नहीं करता? क्या मेरे हिस्से में बस यही अकेलापन और अपमान है?' लेकिन, भगवान का जवाब सुनने की उम्मीद उन्हें भी नहीं थी। वह जानती थीं कि यह सब उनकी किस्मत का हिस्सा था। कुछ देर बाद, मिसेज शर्मा ने अपने डॉगी को गोद में लेकर सोने का फैसला किया। उन्होंने उसे अपने बिस्तर पर लिटाया और खुद भी बगल में लेट गईं। उनके चेहरे पर सुकून की छाया थी। डॉगी उनके पास सो रहा था, जैसे वह उनकी सारी चिंताओं का हल हो। दूसरी ओर, उनकी सास अपने कमरे में अकेली पड़ी थी। उनके मन में वह दुआ बार-बार घूम रही थी... 'अगले जनम मोहे कुतिया ही कीजो।' ■■■■

ममता बनर्जी के बयान को लेकर भाजपा लगातार है हमलावर... टीएमसी सांसद ने किया बचाव

दीदी के 'बंगाल जलेगा' वाले बयान के बचाव में उतरे शत्रुघ्न सिन्हा

एजेंसी | नई दिल्ली

तृणमूल कांग्रेस सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के 'बंगाल जलेगा' वाले बयान का बचाव किया है। इस बयान पर बहुत बवाल मचा हुआ है। कोलकाता में एक रैली में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी कुर्सी का इस्तेमाल बंगाल में आग लगाने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि यह बांग्लादेश है। मैं बांग्लादेश से प्यार करती हूं, वे हमारी तरह बोलते हैं और हमारी संस्कृति साझा करते हैं, लेकिन याद रखें, बांग्लादेश एक अलग देश है और भारत एक अलग देश है। मोदी अपनी पार्टी का इस्तेमाल यहां आग लगाने के लिए कर रहे हैं। अगर आप बंगाल, असम, नॉर्थ-ईस्ट, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा को जलाओगे तो दिल्ली भी जलेगी। हम आपकी कुर्सी गिरा देंगे।

शत्रुघ्न सिन्हा ने अपनी पार्टी प्रमुख के बयान पर कहा, 'जहां तक मैं 'दीदी' (ममता बनर्जी) को जानता हूं, उन्होंने जो कहा वह बहुत ही सोची-समझी बात थी। उनका मतलब था कि अगर वे कोलकाता की घटना को लेकर लोगों को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं, जिस पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है और सीबीआई जांच कर रही है तो इसका असर सिर्फ पश्चिम बंगाल तक सीमित नहीं रहेगा। बीजेपी लगातार कोलकाता रेप और हत्या के मामले से निपटने को लेकर ममता बनर्जी की अगुवाई वाली टीएमसी सरकार पर हमलावर रही है।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने लगाया गंभीर आरोप

बीजेपी की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की 'आग' वाली टिप्पणी में विभिन्न राज्यों में अशांति फैलाने की क्षमता है। उन्होंने कहा, 'क्या आपको (ममता बनर्जी) नहीं लगता कि आपकी टिप्पणी पड़ोसी राज्यों में अशांति फैला सकती है? आप पड़ोसी देश में सक्रिय कुछ विघटनकारी ताकतों की आवाज में बोलती हुई प्रतीत होती हैं।'

आरोप पूरी तरह से झूठा: ममता

दूसरी ओर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि उन्होंने सरकारी अस्पतालों में जूनियर डॉक्टरों को धमकी नहीं दी थी। उन्होंने एक एक्स पोस्ट में कहा कि मैं पूरी दृढ़ता के साथ स्पष्ट करती हूं कि मैंने छात्रों या उनके आंदोलनों के खिलाफ एक भी शब्द नहीं कहा है। मैं उनके आंदोलन का पूरी तरह से समर्थन करती हूं। उनका आंदोलन जायज है। मैंने उन्हें कभी धमकी नहीं दी, जैसा कि कुछ लोग मुझ पर आरोप लगा रहे हैं। यह आरोप पूरी तरह से झूठा है।'

राहुल गांधी 8 सितंबर से अमेरिका की यात्रा पर

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी आठ सितंबर से अमेरिका की तीन दिन की यात्रा पर रहेंगे, जहां वह टेक्सास विश्वविद्यालय में छात्राओं और शिक्षाविदों के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बातचीत करेंगे। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष सैम पित्रोदा ने राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा के दौरान वह विभिन्न क्षेत्रों के प्रमुख लोगों के साथ ही डैलस क्षेत्र के राजनेताओं से भी विचार विमर्श करेंगे। उन्होंने कांग्रेस नेता की यात्रा का विवरण देते हुए बताया कि राहुल 8 सितंबर को डलास, टेक्सास और 9 तथा 10 सितंबर को वाशिंगटन डीसी का दौरा करेंगे।

चंपई सोरेन से मिले असम के मुख्यमंत्री सरमा

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने शनिवार को चंपई सोरेन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री को असम में मां कामाख्या देवी मंदिर का दर्शन करने के लिए निमंत्रण दिया। चंपई सोरेन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर बताया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा एवं झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी मिलने आए। उन्होंने गुवाहाटी स्थित मां कामाख्या देवी मंदिर में दर्शन करने के लिए आमंत्रण दिया। उल्लेखनीय है कि चंपई सोरेन ने शुक्रवार को झामुमो पर अपमानित करने का आरोप लगाते हुए भाजपा का दामन थाम लिया है।

अब JDU और BJP आमने-सामने

जुमे के 'नमाज ब्रेक' पर तकरार, सियासत तेज

एजेंसी | नई दिल्ली

असम विधानसभा में मुस्लिम विधायकों को शुक्रवार के दिन नमाज के लिए दिए जाने वाले 2 घंटे की ब्रेक को खत्म कर दिया गया है। इसके बाद देश में सियासत तेज हो गई है। असम विधानसभा में लिए गए फैसले के बाद इस पर नेताओं की प्रतिक्रिया आने लगी है। एनडीए के घटक दल जेडीयू ने इस फैसले को संविधान की भावना का उल्लंघन बताया है, वहीं राजद नेता तेजस्वी यादव, AIMIM और समाजवादी पार्टी ने इस फैसले पर सवाल उठाते हुए बीजेपी पर निशाना साधा है। जेडीयू नेता नीरज कुमार ने इस फैसले पर बोलते हुए कहा कि असम सरकार का यह फैसला निश्चित रूप से देश के संविधान की मूल प्रस्तावना के खिलाफ है। हर किसी को अपनी धार्मिक मान्याताएं और परंपराओं को जीवंत रखने का अधिकार है। जेडीयू के अलावा बिहार की विपक्षी पार्टी आरजेडी ने भी असम सरकार के फैसले का विरोध किया है समाजवादी पार्टी के नेता एसटी हसन ने भी असम सरकार के इस फैसले का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा जब भी बोलते हैं विष उगलते हैं और समाज में जहर फैलाते हैं। उनकी सारी सियासत मुस्लिम विरोध पर ही टिकी हुई है। उधर, असम के सीएम जुमे की नमाज के लिए मिलने वाले ब्रेक को खत्म करने के फैसले को सही बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि रूल कमेटी की मीटिंग के बाद हिंदू और मुस्लिम विधायकों ने यह फैसला लिया है कि जुमे की नमाज के लिए मिलने वाले ब्रेक की कोई जरूरत नहीं है। इन दो घंटों में अब ब्रेक की जगह काम किया जाएगा। यह 1937 में शुरू हुई थी जिसे अब बंद कर दिया गया है।

हिंदू और मुस्लिम विधायकों का फैसला: हिमंत

असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि असम विधानसभा को छोड़कर लोकसभा या राज्यसभा सहित कहीं भी 1937 से ब्रिटिश विरासत की ऐसी प्रथा का प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि दो घंटे की जुमा छुट्टी खत्म करना मुख्यमंत्री का फैसला नहीं है, बल्कि यह सभी हिंदू और मुस्लिम विधायकों का फैसला है। शुक्रवार को जब विधानसभा अध्यक्ष ने इसकी घोषणा की तो सदन में किसी मुस्लिम विधायक ने कोई विरोध नहीं जताया। असम विधानसभा में कुल 126 विधायकों में से 25 मुस्लिम विधायक हैं। असम सीएम ने बताया कि विधानसभा की प्रक्रिया नियमों में इस प्रावधान को समाप्त करने का प्रस्ताव अध्यक्ष के नेतृत्व वाली नियम समिति के समक्ष रखा गया, जिसने सर्वसम्मति से इस प्रथा को समाप्त करने पर सहमति व्यक्त की। सरमा ने कहा कि इस फैसले की आलोचना केवल असम के बाहर हो रही है, जबकि राज्य के विधायकों ने देश के विकास के लिए काम करने की अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। उधर, बीजेपी नेता शहजाद पूनावाला ने तेजस्वी यादव के बयान को नस्लवादी कहा है।

तेजस्वी ने हिमंत को बताया योगी का चाइनीज वर्जन

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री सस्ती लोकप्रियता हासिल करने और 'योगी का चाइनीज वर्जन' बनने के प्रयास में जानबुझकर मुसलमानों को परेशान करने वाले काम करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि समाज में ध्रुवीकरण के लिए मुसलमानों को सॉफ्ट टारगेट बना लिया है। आजादी में आरएसएस को छोड़ सभी धर्मों के लोगों का हाथ है। मुसलमानों ने देश को आजादी दिलाने में कुर्बानियां दी हैं। इस पर पलटवार करते हुए असम के सीएम हिमंत ने कहा कि तेजस्वी यादव मेरी आलोचना कर रहे हैं लेकिन मैं पूछना चाहता हूं... क्या बिहार में ऐसी कोई प्रथा है? आपको (यादव) बिहार के उपमुख्यमंत्री रहते हुए चार घंटे का ब्रेक लागू करना चाहिए था।

एक समय ऐसा आएगा जब सब बदल जाएगा

'नमाज' ब्रेक पर हिमंत सरकार पर बरसे फारूक

श्रीनगर। जम्मू और कश्मीर के वरिष्ठ नेता और नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को असम विधानसभा में मुस्लिम विधायकों को शुक्रवार को दिए जाने वाले दो घंटे के 'नमाज' ब्रेक को समाप्त करने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि भारत की विविधता को बनाए रखना जरूरी है और हर धर्म की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकारों की होती है।

श्रीनगर में एक दरगाह का दौरा करने के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि एक समय आएगा जब यह बदल जाएगा। कुछ भी हमेशा के लिए नहीं रहता। असम विधानसभा में शुक्रवार को दो घंटे के 'नमाज' ब्रेक को खत्म करने की घोषणा पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने यह टिप्पणी की। अब्दुल्ला ने कहा कि हम असम सरकार को बताएंगे कि ऐसा नहीं करना चाहिए। हमारे देश की विविधता को बनाए रखना जरूरी है। देश में हर धर्म, हर भाषा और अलग-अलग प्रथाएं हैं। तमिलनाडु, बंगाल, महाराष्ट्र या किसी भी अन्य राज्य में विभिन्न प्रथाएं हैं। यही वजह है कि भारत की संघीय संरचना है और हमें हर धर्म की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जम्मू और कश्मीर को भी अपने नागरिकों की देखभाल करनी चाहिए, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो।

असम के सीएम ने की थी घोषणा

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि असम विधानसभा में मुस्लिम विधायकों को शुक्रवार को दिए जाने वाले दो घंटे के 'नमाज' ब्रेक को समाप्त कर दिया जाएगा। अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में भी हमें अपने नागरिकों की देखभाल करनी चाहिए, चाहे वे हिंदू हों, मुस्लिम, सिख, ईसाई या बौद्ध। अगर हम उनके प्रति अच्छा रवैया अपनाएंगे, तो इससे पूरे देश में शांति और सौहार्द बढ़ेगा।

मुडा घोटाला: राजभवन किसी पार्टी का नहीं बने कार्यालय'

कर्नाटक में कांग्रेस ने राज्यपाल के खिलाफ निकाला मार्च

NDA नेताओं के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने पर उठे विवाद के बीच राज्य के मंत्रियों और विधायकों ने ' राजभवन चलो ' विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस ने राज्यपाल पर भेदभावपूर्ण व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि राज्यपाल के समक्ष कई अन्य मामले भी लंबित हैं, लेकिन उन्होंने उन पर कोई निर्णय नहीं लिया है। प्रदर्शनकारियों ने खनन पट्टा मामले में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी के खिलाफ केस चलाने की भी मांग की। कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अन्य विधायकों के साथ राजभवन तक मार्च का नेतृत्व किया, जो नारे लिखे प्लेकार्ड लेकर चल रहे थे। मार्च विधान सौध के पास गांधी प्रतिमा से शुरू हुआ और राजभवन में समाप्त हुआ, जहां कांग्रेस ने राज्यपाल को एक ज्ञापन सौंपा।

कर्नाटक में मुडा घोटाला मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कर्नाटक कांग्रेस ने राज्यपाल थावरचंद गहलोत पर सत्ता के कथित दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए शनिवार को 'राजभवन चलो' विरोध मार्च निकाला।

उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने विरोध मार्च का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन का उद्देश्य राज्यपाल के कार्यालय की अखंडता को बनाए रखना और इसे राजनीतिक हथियार बनने से रोकना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मार्च मुख्यमंत्री सिद्दारमैया की ओर से नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्यपाल ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने की सहमति दी है।

क्या है मामला

राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन में कथित घोटाले की जांच किए जाने और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को तीन सामाजिक संस्थाओं की याचिकाओं में उल्लिखित कथित अपराधों के लिए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 218 के तहत मुख्यमंत्री के खिलाफ केस चलाने की मंजूरी दी थी।

बेगूसराय में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर हमला

बेगूसराय। बेगूसराय के बलिया में जनता दरबार खत्म होने के बाद बाहर निकलने के बाद प्रखंड कार्यालय के पास केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर हमले का प्रयास किया गया। पुलिस ने बलिया के आप नेता सहजादु जमा उर्फ सैफी को गिरफ्तार कर लिया है। लोगों ने बताया कि बलिया में जनता दरबार खत्म होने के बाद गिरिराज सिंह प्रखंड कार्यालय पहुंचे। इस दौरान आप नेता सहजादु जमा उर्फ सैफी ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह को एक आवेदन देने का प्रयास किया।

हेमंत सोरेन के एक और नेता ने थामा BJP का दामन

एजेंसी | रांची

झारखंड के बोरियो के पूर्व झामुमो विधायक लोबिन हेम्ब्रम शनिवार भाजपा में शामिल हो गए। भाजपा प्रदेश कार्यालय में इसके लिए मिलन समारोह कार्यक्रम रखा गया था, जिस समय हेम्ब्रम भाजपा की सदस्यता ली, उस समय झारखंड भाजपा के कई दिग्गज नेता मौजूद थे। प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलाई। भाजपा में शामिल होने के बाद उनके बोरियो विधानसभा से चुनाव लड़ने की संभावना है। भाजपा में शामिल होने के बाद लोबिन हेम्ब्रम

ने कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा का गठन जिस उद्देश्य से शिबू सोरेन ने किया था वह पूरा नहीं हुआ। पार्टी उनके सिद्धांत से भटक गई है। शिबू सोरेन ने शराब पीने का विरोध किया था। जबकि हेमंत सरकार छत्तीसगढ़ से व्यापारियों को बुलाकर झारखंड में शराब की बिक्री कर रही है। बांग्लादेशी घुसपैठिए हमारे आदिवासी समाज की बहन बेटियों की अस्मिता से खेल रहे हैं। लव जिहाद से संथाल परगना बर्बाद हो रहा है।

केरल में RSS की बैठक शुरू

बंगाल से लेकर बांग्लादेश संकट समेत कई मुद्दों पर महामंथन

एजेंसी | पालक्काड

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय समन्वय बैठक का केरल के पालक्काड में शनिवार सुबह शुभारंभ हुआ। संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने द्वीप प्रज्जवलित कर बैठक का उद्घाटन किया। यह बैठक 2 सितंबर तक चलेगी। बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और संगठन महासचिव बीएल संतोष शामिल हुए। कहा जा रहा है कि समन्वय की इस बैठक में बीजेपी अध्यक्ष, जातीय गोलबंदी जैसे मुद्दों के भी हल ढूंढे जाएंगे। इसके साथ 4 राज्यों की विधानसभा चुनाव की रणनीति पर मंथन की संभावना है। इस बैठक की शुरुआत में वायनाड में भूस्खलन की घटना और इसमें मदद के लिए संघ कार्यकर्ताओं के कामों के बारे में जानकारी साझा की गई। इस बैठक में चुनावी रणनीति के अलावा कुछ अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं को निशाना बनाने पर चर्चा की गई। सूत्रों का कहना है कि संघ का सुझाव है कि सरकार इस मुद्दे को संवेदनशील तरीके से देखे। इसके अलावा, कोलकाता में डॉक्टर के साथ हुई रेप और मर्डर की घटना पर भी चर्चा की गई है।

महत्वपूर्ण घटनाओं तथा सामाजिक परिवर्तन पर चर्चा

प्रचार प्रमुख सुनील अंबेडकर ने कहा कि यह पहली बार है जब हम केरल में इस तरह की बैठक कर रहे हैं। बैठक में आरएसएस के 90 सदस्यों सहित 32 संगठनों के 320 सदस्य विचार-विमर्श करेंगे। हम आमंत्रितों से फीडबैक लेंगे और जमीनी स्थिति का आकलन करेंगे। बैठक में प्रत्येक संगठन क्षेत्र के अनुभव, उनकी ओर से उठाए गए मुद्दों और उनके अवलोकन को भी साझा करेगा। उन्होंने बताया कि इसमें राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दे, राष्ट्रीय सुरक्षा, वर्तमान मुद्दे, वर्तमान में हो रही घटनाएं, कुछ राज्य के मुद्दे, कुछ राज्यों में चिंताजनक मुद्दे पर चर्चा की जाएगी। समन्वय को कैसे बढ़ा सकते हैं, इस पर भी चर्चा होगी। तीन दिनों में कई सत्र होंगे। 2025 विजयदशमी से 2026 विजयदशमी तक हम शताब्दी समारोह मनाएंगे, जिसके तहत हम बड़े पैमाने पर सामाजिक परिवर्तन के मुद्दे उठाएंगे। पंच परिवर्तन पर काम किया जाएगा जिसमें सामाजिक सद्भाव, परिवार जागरण, पर्यावरण के मुद्दे, आत्म-सम्मान और नागरिक कर्तव्य भी शामिल हैं। इन सभी पांचों पहलों को आरएसएस द्वारा विजयदशमी 2025 पर बड़े स्तर पर शुरू किया जाएगा।

बैठक में 32 सहयोगी संगठनों के 300 कार्यकर्ता हुए शामिल

इस बैठक में आरएसएस के 32 सहयोगी संगठनों के 300 कार्यकर्ता शामिल हुए। इसका उद्देश्य संगठनों के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर चर्चा करना है। बैठक में राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शान्ताक्का, प्रमुख कार्यवाहिका सीता अन्नदानम, वनवासी कल्याण आश्रम के अध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह, पूर्व सैनिक सेवा परिषद के अध्यक्ष ले.ज.(से.नि.) वीके चतुर्वेदी, अ.भा. ग्राहक पंचायत के अध्यक्ष नारायण भाई शाह, विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार, महामंत्री बजरंग बागड़ा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के संगठन मंत्री आशीष चौहान, भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, महामंत्री संगठन बीएल संतोष, विद्या भारती के अध्यक्ष रामकृष्ण राव, भारतीय मजदूर संघ के अध्यक्ष हिरणमय पण्ड्या, आरोग्य भारती के अध्यक्ष डॉ. राकेश पंडित सहित 32 संघ प्रेरित विविध संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष, संगठन मंत्री एवं प्रमुख पदाधिकारी तथा सभी संगठनों की महिला प्रतिनिधि सहित लगभग 300 कार्यकर्ता भाग ले रहे हैं।

जरूरी खबर

पटाखा फैक्टरी में विस्फोट में दो की मौत

थूथुकुड़ी (केरल)। तमिलनाडु के तूतीकोरिन जिले के करीब नाजरेथ में शनिवार की शाम एक पटाखा फैक्टरी के गोदाम में अचानक विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में दो श्रमिकों की मौत हो गई। जबकि दो महिलाओं सहित चार अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, यह विस्फोट उस समय हुआ जब श्रमिक पटाखों को संभाल रहे थे। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने इस घटना पर दुख जताया और मृतकों क परिवारों को तीन लाख रुपए की राहत राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वे इस विस्फोट की खबर सुनकर दुखी हैं और घायल हुए लोगों को भी एक लाख रुपए की राहत राशि दी जाएगी। पुलिस के मुताबिक विस्फोट में कन्नन और विजय नाम के दो लोगों की मौत हुई। चार अन्य घायलों को इलाज के लिए तिरुनेलवेली सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पता और सतंकुलम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पीएम ने तीन नई वंदे भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को तीन नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखाई। यह ट्रेनें उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और कर्नाटक में ट्रेन कनेक्टिविटी को और मजबूत करेंगी। रेलवे मंत्रालय के मुताबिक, इन ट्रेनों से धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। देश में पहले से ही 100 से अधिक वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें ऑपरेट हो रही हैं। ये बंदे भारत ट्रेनें देश के 280 से ज्यादा जिलों को जोड़ती हैं। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि दक्षिण भारत के विकास पर सरकार खास फोकस कर रही है।

धर्मेंद्र दिल्ली के नए मुख्य सचिव नियुक्त

नयी दिल्ली। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1989 बैच के अधिकारी धर्मेंद्र को दिल्ली का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने शनिवार को जारी आदेश में कहा है कि अरुणाचल प्रदेश के मुख्य सचिव धर्मेंद्र को एक सितंबर से दिल्ली का मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। धर्मेंद्र को 1987 बैच के आईएएस अधिकारी नरेश कुमार के स्थान पर यह जिम्मेदारी दी गई है। कुमार का कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो गया। धर्मेंद्र एक सितंबर या जिस दिन वह पदभार ग्रहण करेंगे उसे दिन से दिल्ली के मुख्य सचिव का कार्य भार संभालेंगे।

जलवायु न्याय हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए: धनखड़

देहरादून। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ शनिवार को अपने दो दिवसीय उत्तराखंड भ्रमण पर देहरादून पहुंचे। यहां उन्होंने मोहकमपुर क्षेत्र स्थित भारतीय पेट्रोलियम संस्थान (आईआईपी) के छात्रों और संकाय सदस्यों को संबोधित करते हुए जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदाओं की चुनौती पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु के प्रति न्याय हमारा मार्गदर्शक सिद्धांत होना चाहिए। धनखड़ ने इस बात पर अफसोस व्यक्त किया कि हमारे लोकतंत्र और राष्ट्रवाद की भावना को चुनौती देने वाले लोग वे हैं, जो कभी सत्ता में थे या महत्वपूर्ण पदों पर थे। उप राष्ट्रपति ने कहा कि संकीर्ण पार्टीगत हितों की पूर्ति के लिए वे देश विरोधी नेरेटिव फैला रहे हैं और हमारे महान लोकतंत्र की तुलना पड़ोसी देशों की प्रणालियों से कर रहे हैं। युवाओं को चेतावनी देते हुए कहा कि ये हमें भटकाने की कोशिश करते हैं।

पीएम ने जजों को किया संबोधित... बोले- ज्यूडिशियरी पर जनता का अटूट विश्वास

महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में जल्द होने चाहिए फैसले: मोदी

एजेंसी | नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि महिलाओं के खिलाफ अत्याचार और बच्चों की सुरक्षा आज समाज में एक गंभीर चिंता का विषय है। देश में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई सख्त कानून बनाए गए हैं। महिलाओं पर अत्याचार से जुड़े मामलों में जितनी जल्दी फैसले होंगे, आधी आबादी को उतना ही सुरक्षा का आश्वासन मिलेगा। प्रधानमंत्री शनिवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2019 में सरकार ने फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतें स्थापित करने की योजना बनाई थी। फास्ट ट्रैक विशेष अदालतों के तहत महत्वपूर्ण गवाहों के लिए गवाही केंद्र का प्रावधान है। उन्होंने फास्ट-ट्रैक विशेष अदालतों के तहत जिला निगरानी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जिसमें जिला न्यायाधीश, जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न पहलुओं के बीच समन्वय बनाने में समिति की भूमिका महत्वपूर्ण थी। उन्होंने इन समितियों को और अधिक सक्रिय बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रधानमंत्री ने जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में डाक टिकट और सिक्के का भी अनावरण किया। भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में जिला न्यायपालिका से संबंधित मुद्दों जैसे कि बुनियादी ढांचे और मानव संसाधन, सभी के लिए समावेशी न्यायालय, न्यायिक सुरक्षा और न्यायिक कल्याण, केस प्रबंधन और न्यायिक प्रशिक्षण पर विचार-विमर्श और चर्चा के लिए पांच कार्य सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत के सर्वोच्च न्यायालय की 75 वर्षों की यात्रा लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत की महिमा को बढ़ाती है। यह सत्यमेव जयते, नानृतम् के सांस्कृतिक उद्घोष को मजबूत करता है। उन्होंने इस अवसर पर न्यायिक प्रणाली की सभी बिरादरी और भारत के नागरिकों को बधाई दी और जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने वालों को अपनी शुभकामनाएं भी दीं। समारोह में सीजेआई डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़, केंद्रीय विधि और न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी, सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल, बार काउंसिल आफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा के अलावा अनेक अधिवक्ता और विधि के विद्यार्थियों समेत कई लोग मौजूद थे।

अहम भूमिका रही है भारत के निर्माण में न्यायपालिका की

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की आजादी के अमृतकाल के संदर्भ में कहा कि 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है – विकसित भारत, नया भारत। उन्होंने कहा कि नया भारत सोच और संकल्प में आधुनिक भारत है। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तंभ है। पीएम मोदी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के 75 साल सिर्फ एक संस्था की यात्रा नहीं हैं। यह भारत के संविधान और उसके संवैधानिक मूल्यों की यात्रा है। यह लोकतंत्र के रूप में भारत के और अधिक परिपक्व होने की यात्रा है।

'सुप्रीम कोर्ट ने हमेशा देश कर अखंडता की रक्षा की है'

प्रधानमंत्री मोदी ने सुप्रीम कोर्ट की तारीफ करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हर समय देशहित को सर्वोपरि रखा। पीएम मोदी ने कहा इमरजेंसी का कठिन दौर था, उस समय सुप्रीम कोर्ट ने ही देश के लोगों को मौलिक अधिकारों की गारंटी दी। उन्होंने कहा कि हर बार जब राष्ट्रीय एकता पर सवाल उठा, सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय अखंडता की रक्षा की है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीते दस साल में न्याय मिलने में होने वाली देरी को खत्म करने के कई सुधार किए गए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 10 साल में ज्यूडिशियरी के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए लगभग 8 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। बीते 25 साल में न्यायिक ढांचे पर खर्च हुई कुल रकम का 75 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ पिछले 10 वर्षों में ही खर्च हुआ है।

विनेश ने शंभू बार्डर पर पहुंचकर दिया किसानों को समर्थन

किसान सड़कों पर बैठे रहे तो देश आगे नहीं बढ़ेगा: फोगाट

किसान संगठनों ने महिला पहलवान को किया सम्मानित

एजेंसी | चंडीगढ़

पेरिस ओलंपिक से लौटी पहलवान विनेश फोगाट शनिवार को शंभू बार्डर पर पहुंचकर धरने पर बैठे किसानों को समर्थन किया। किसान संगठनों ने विनेश फौगाट को सम्मानित किया। शंभू बार्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के दो सौ दिन पूरे होने के अवसर पर वहां लगातार कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। विनेश फौगाट शुक्रवार को अमृतसर स्थित दरबार साहिब गई थीं। वहां से लौटते समय विनेश शनिवार शंभू बार्डर पर पहुंच गई। किसान आंदोलन 2.0 के दो सौ दिन पूरे होने पर शंभू व खन्नौरी बॉर्डरों पर किसान महापंचायत हो रही थी। फोगाट इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस मौके पर विनेश फोगाट ने कहा कि किसान दो सौ दिन से यहां बैठे हैं। यह देखकर दुख होता है। वह सभी इस देश के नागरिक हैं। किसान देश को चलाते हैं। उनके बिना कुछ भी संभव नहीं है, एथलीट भी नहीं। अगर वह हमें खाना नहीं खिलाएंगे, तो हम प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। कई बार हम असहाय होते हैं और कुछ नहीं कर पाते हैं। फोगाट ने कहा कि हम इतने बड़े स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन हम अपने परिवार के लिए कुछ नहीं कर पाते हैं, भले ही हम उन्हें दुखी देखते हों। मैं सरकार से आग्रह करती हूं कि किसानों की बात सुननी चाहिए। उन्होंने पिछली बार अपनी गलती स्वीकार की थी, उन्हें अपने वादे पूरे करने चाहिए। अगर लोग इस तरह सड़कों पर बैठे रहेंगे तो देश आगे नहीं बढ़ेगा।

चक्रवाती असना: पश्चिमी तटों पर भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को चक्रवाती तूफान असना के आने के कारण गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक तटों पर भारी बारिश और तूफानी हवाओं की चेतावनी जारी की। इससे अरब सागर के ऊपर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और एक सितंबर की सुबह तक इसकी तीव्रता बने रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने कहा कि तूफान के दो सितंबर की सुबह तक कमजोर पड़ने का अनुमान है।

यौन उत्पीड़न पर बोले एक्टर मोहनलाल...

'प्लीज इंडस्ट्री बर्बाद मत कीजिए, मैं किसी पावर ग्रुप का हिस्सा नहीं'

एजेंसी | तिरुवनंतपुरम

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री को हिलाकर रख देने वाले यौन शोषण के आरोपों पर जाने-माने एक्टर मोहनलाल ने शनिवार को चुप्पी तोड़ दी। उन्होंने कहा कि अगर गलत काम करने वालों के खिलाफ ठोस सबूत हों तो उन्हें सजा मिलनी चाहिए। मोहनलाल ने जस्टिस हेमा समिति की रिपोर्ट जारी करने के केरल सरकार के फैसले की सराहना की, जिससे यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के कई मामले सामने आए हैं। मोहनलाल ने कहा कि वह मलयालम फिल्म उद्योग में किसी भी पावर ग्रुप का हिस्सा नहीं हैं और उन्हें इस क्षेत्र में ऐसे किसी समूह के अस्तित्व के बारे में कोई जानकारी नहीं है। मोहनलाल ने कहा, 'हम गुजारिश करते हैं कि सारा ध्यान AMMA (मलयालम मूवी आर्टिस्ट एसोसिएशन) पर मत लगाइए। आरोपों की जांच चल रही है। प्लीज फिल्म इंडस्ट्री को बर्बाद न करें। हेमा समिति की रिपोर्ट का स्वागत है और इसे जारी करना सरकार का सही फैसला था। ये प्रश्न हर किसी से नहीं पूछे जा सकते। यह बहुत ही मेहनती लोगों की इंडस्ट्री है, लेकिन इसके लिए हर किसी को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। जांच जारी है और दोषियों को सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जूनियर कलाकारों के सामने आने वाली समस्याओं पर ध्यान दिया जा रहा है। हम जांच प्रक्रिया में पूरा सहयोग करेंगे। हम यहां चीजों को सही करने के लिए हैं। हालांकि, मैंने अभी हेमा कमेटी की रिपोर्ट नहीं पढ़ी है।

कई अभिनेत्रियां ने और लगाए गंभीर आरोप

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री में यौन उत्पीड़न पर जस्टिस हेमा समिति की रिपोर्ट के प्रकाशन के बाद कई अभिनेत्रियां सामने आईं। उन्होंने कार्यस्थल पर अपने साथ हुई बदसलूकी के बारे में बताया। इन आरोपों के बीच, सरकार ने जस्टिस हेमा समिति की रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद लगाए गए आरोपों की जांच के लिए 7 सदस्यीय SIT के गठन की घोषणा की। इसके बाद कई अभिनेताओं और निर्देशकों के खिलाफ और भी शिकायतें सामने आईं।

एक्ट्रेस राधिका के चौंकाने वाले आरोप

दक्षिण भारतीय अभिनेत्री राधिका सरतकुमार ने शनिवार को ही चौंकाने वाले आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि एक मलयालम फिल्म की शूटिंग के सेट पर वैनिटी वैन के अंदर छिपाकर लगाए गए कैमरों से महिला कलाकारों के आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किए गए थे। उन्होंने पुरुष कलाकारों को अपने मोबाइल फोन पर इन वीडियो को देखते हुए स्वयं देखा था। राधिका ने इस बात पर सवाल किया कि हेमा समिति की रिपोर्ट में देरी क्यों हुई।

थारू कैंप के पास हुआ हादसा

रिपेयरिंग के लिए हैंग कर ले जाया जा रहा हेलिकॉप्टर क्रैश

एजेंसी | रुद्रप्रयाग

उत्तराखंड के रूद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम में बीते 24 मई को लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी आने से जिस हेलिकॉप्टर की आपात लैंडिंग करानी पड़ी थी, वह शनिवार सुबह क्रैश हो गया। हेलिकॉप्टर को ठीक करने के उद्देश्य से वायु सेना के एमआई 17 हेलिकॉप्टर की मदद से टांग (हैंग) कर, गौचर हवाई पट्टी पहुंचाया जा रहा था। इस दौरान एमआई-17 डिसबैलेंस होने लगा। खतरे को भांपते हुए पायलट ने खाली स्थान देखते हुए हेलिकॉप्टर को घाटी में ड्रॉप कर दिया।

जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे ने बताया कि इसी साल 24 मई को तकनीकी खराबी के कारण केदारनाथ हेलिपैड से कुछ दूरी पहले ही हेलिकॉप्टर की आपात लैंडिंग कराई गई थी। पायलट की सूझबूझ से हेलिकॉप्टर में सवार सभी यात्रियों की सुरक्षित लैंडिंग हुई थी। पर्यटन अधिकारी ने बताया कि शनिवार को हेलीकॉप्टर की रिपेयरिंग के लिए उसे गौचर हवाई पट्टी ले जाने की योजना थी, जिसके अनुसार सुबह सात बजे वायु सेना के एमआई 17 हेलिकॉप्टर से क्रिस्टल एविएशन के हेलिकॉप्टर को हैंग कर गौचर पहुंचाया जाना था। थोड़ी दूर पर आते ही हेलिकॉप्टर के भार व हवा के प्रभाव से एमआई 17 का बैलेंस बिगड़ने लगा। इसके चलते थारू कैंप के नजदीक पहुंचने पर एमआई 17 से हेलिकॉप्टर को ड्रॉप करना पड़ा। हेलिकॉप्टर में कोई यात्री या समान नहीं था। एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई है।

उड़ान भरते ही फेल हो गया इंडिगो की फ्लाइट का इंजन

कोलकाता। कोलकाता से बेंगलुरु जा रही इंडिगो की फ्लाइट को शुक्रवार रात उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। यह घटना फ्लाइट के बाएं इंजन के फेल हो जाने के कारण हुई। अधिकारियों के अनुसार, फ्लाइट ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएससीबीआई) से उड़ान भरी थी, लेकिन उसे आपातकालीन स्थिति में वापस कोलकाता एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (AAI) के प्रवक्ता ने बताया कि घटना के दौरान कोई आग या चिंगारी नहीं देखी गई, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। प्रवक्ता ने बताया कि एनएससीबीआई हवाई अड्डे के दोनों रनवे को एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) को सौंप दिया गया था, ताकि विमान को सुरक्षित तरीके से वापस उतरने के लिए उपलब्ध कराया जा सके।

कल्चरल कारवां का आगाज, संगीत के सौंदर्य से सराबोर हुए शहरवासी

शास्त्रीय संगीत की बंदिशों के संग... गजल और कव्वाली से जमाया रंग

बेधड़क.जयपुर। संगीत और साहित्य के सौंदर्य को समाहित करने वाला कल्चरल कारवां विभिन्न राज्यों से होता हुआ शनिवार को राजधानी पहुंचा। जवाहर कला केन्द्र और जश्न ए अदब की सहभागिता में आयोजित कार्यक्रम के पहले दिन डॉ. विद्या शाह ने दादरा, ठुमरी और गजल गायन की प्रस्तुति दी। पद्म भूषण पं. साजन मिश्रा और पं. स्वरांश मिश्रा ने शास्त्रीय गायन से मन मोहा। पद्मश्री उस्ताद अहमद हुसैन और मो. हुसैन ने गजलों का गुलदस्ता सजाया। डॉ. यश गुलाटी सैक्सोफोन की मधुर धुनों के साथ मिठास घोली। साबरी बंधुओं की कव्वाली के साथ इस सुरीले सफर का समापन हुआ। इस मौके पर राज्य मानवाधिकार आयोग के चेयरमैन जस्टिस (रिटा.) गंगाराम मूलचंदानी, केन्द्र की अति. महानिदेशक प्रियंका जोधावत, पद्मभूषण पं. साजन मिश्रा, पद्मश्री अहमद हुसैन-मो. हुसैन, जश्न ए अदब के अध्यक्ष रिटा. आईआरएस नवनीत सोनी, जश्न ए अदब फाउंडर रणजीत सिंह चौहान मौजूद रहे। डॉ. विद्या शाह की आवाज में दादरा, ठुमरी और गजल की प्रस्तुति में मानो शाम गुनगुनाती नजर आई। शास्त्रीय संगीत की पारंपरिक बंदिशें भी उन्होंने सुनाई। आशिक कुमार ने हारमोनियम, शांति भूषण झा ने तबला, जोएब अली ने सारंगी पर संगत की।

शास्त्रीय रचनाओं से रूबरू हुए कला प्रेमी

अब कला प्रेमी संगीत के सौंदर्य से सराबोर होने लगे थे। पद्मभूषण पं. साजन मिश्रा ने विभिन्न शास्त्रीय रचनाएं पेश की। उन्होंने राग मेघ में तीन रचनाएं पेश की। इनमें झपताल में निबद्ध 'गरजत बादल आए', तीन ताल में 'गगन गरज दमकत दामिनी' और द्रुत एक ताल की रचना 'कजरा कारे कारे' शामिल है। कुछ भजनों के बाद विशेष 'चलो मन वृंदावन की ओर' प्रस्तुति में श्रोताओं को वृंदावन की अविस्मरणीय यात्रा करवाई। सह गायन में पं. स्वरांश मिश्रा, गिरिराज बालोदिया ने हारमोनियम, यथार्थ रावत ने तबला और वरुण जैन ने तानपुरे पर संगत की।

फिल्मी कव्वाली पर झूमे

पद्मश्री हुसैन बंधुओं ने गजल गायन से शाम को रूहानी बना दिया। हुसैन बंधु ने फिल्म वीर जारा के गीत 'आया तेरे दर पर दीवाना' में आवाज दी है। इस गीत को लाइव सुनकर श्रोता मंत्र मुग्ध हो गए। तबले पर इफ्तखार हुसैन, वायलिन पर पं. मनभावन डांगी, संतूर पर अनवर हुसैन और की-बोर्ड पर हबीब खान ने संगत की। साबरी ब्रदर्स ने हीना फिल्म की मशहूर कव्वाली 'देर ना हो जाए कहीं देर ना हो जाए' समेत अन्य कव्वाली गाकर समां बांधा। 1 सितंबर को दोपहर दो बजे युसुफ खान की भपंग वादन प्रस्तुति के साथ दिन की शुरुआत होगी। दोपहर 2:45 से 3:45 पर फकीरा खान भादरेश की लोक गायन प्रस्तुति होगी। सायं साढ़े चार बजे संवाद प्रवाह में अभिनेता मनु ऋषि चड्ढा, अंजुम शर्मा और फैसल मलिक अपने विचार रखेंगे।

टैक्स, ऑडिट व ऑडिट ट्रेल पर सेमिनार का आयोजन

बेधड़क. जयपुर। दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की कमेटी बोर्ड ऑफ इंटरनल ऑडिट एंड मैनेजमेंट एकाउंटिंग की ओर से टैक्स ऑडिट और कंपनी ऑडिट व ऑडिट ट्रेल पर सेमिनार का आयोजन किया गया। सेंट्रल काउंसिल सदस्य सीए प्रकाश शर्मा ने बताया कि टैक्स ऑडिट की अंतिम तिथि को ध्यान में रखते हुए सेमिनार किया गया। सदस्य ऑडिट रिपोर्टिंग और डॉक्यूमेंटेशन के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी गई। रीजनल काउंसिल के सदस्य सीए अनिल यादव ने कहा कि टैक्स ऑडिट न केवल वित्तीय लेनदेन की सटीकता की पुष्टि करता है, बल्कि संगठन की समग्र कार्यप्रणाली को मजबूत बनाता है। सीए प्रकाश शर्मा व सीए अनिल यादव ने नेशनल कांफ्रेंस का विमोचन किया जो 15-16 अक्टूबर को जयपुर में होगी। जयपुर शाखा अध्यक्ष सीए नवीन शर्मा और सचिव सीए विजय कुमार अग्रवाल ने सेमिनार का उद्देश्य बताया।

प्रतियोगिता में दिखाया दम

बेधड़क. जयपुर। युवा मामले और खेल मंत्रालय की ओर से महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन पर मनाए जा रहे खेल सप्ताह के तहत राजस्थान विश्वविद्यालय की एनएसएस रसायनशास्त्र विभाग इकाई की ओर से शनिवार को विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत में मेजर ध्यानचंद को एनएसएस क्लैप से याद किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. मीनाक्षी जैन ने सबका स्वागत किया। कार्यक्रम अधिकारी

ब्लड डोनर्स को मिला सम्मान

बेधड़क. जयपुर। श्रीगोपाल कृष्ण सेवा समिति की ओर से 99,500 यूनिट ब्लड एकत्रित कर कैंसर रोगियों के उपचार के लिए दिया गया। रक्तदान में सार्थक योगदान करने वाले ब्लड डोनर्स और संगठनों का शनिवार को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में सम्मान किया गया। समिति सचिव प्रदीप घामीजा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत भजनों से हुई। कलाकारों ने मंच पर पारंपरिक और समकालीन भजन प्रस्तुत किए। संगीत सत्र के बाद सिद्ध भाऊ साहब ने सभी रक्तदाताओं को रक्तदान शिविरों में भाग लेने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर डॉ. एसएस अग्रवाल, कमलेश खिलनानी, मोहन गुरनानी, अक्षय गुरनानी, धीरेंद्र मदान, निखिल मदान, नवीन आडवानी, मनोज पारवानी, नरेंद्र लाखी, महेश पारिख, हरविंदर सिंह बग्गा, रवीन्द्र प्रताप, सत्य नारायण अग्रवाल, डॉ. राकेश कालरा, समीर अग्रवाल और नारायणदास नजवानी उपस्थित रहे।

City इवेंट्स

संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन सम्मानित

बेधड़क. जयपुर। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के दिव्य मार्गदर्शन में कार्यरत निरंकारी मिशन की सामाजिक शाखा संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन को समाज कल्याणार्थ नई दिल्ली में आयोजित सीएसआर शिखर सम्मेलन में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा उपस्थित थे और उन्होंने अवॉर्ड ग्रहण किया। गौरतलब है कि संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन की स्थापना वर्ष 2010 में हुई थी तब से निरंतर फाउंडेशन समाज के हर क्षेत्र में अपनी कल्याणकारी परियोजनाओं को क्रियान्वित कर अपनी सकारात्मक भूमिका निभा रहा है। इसमें प्रमुख रूप से स्वास्थ्य क्षेत्र के क्षेत्र में विभिन्न चैरिटेबल अस्पताल, डिस्पेंसरी, फिजियोथेरेपी, दंत चिकित्सा, नेत्र चिकित्सा केन्द्र, डायग्नोस्टिक लैब इत्यादि सेवाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

उर्जयन्त सागर से लिया आर्शीवाद

बेधड़क. जयपुर। राजस्थान जैन युवा महासभा के पदाधिकारियों ने प्रताप नगर स्थित श्रीशांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चातुर्मासरत उपाध्याय उर्जयन्त सागर के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, जिला अध्यक्ष संजय पांड्या, जिला कार्याध्यक्ष कमल सरावगी, भारत भूषण जैन, सांगानेर संभाग अध्यक्ष चेतन जैन निमोडिया, महामंत्री एडवोकेट महावीर सुरेन्द्र जैन, प्रतापनगर जोन अध्यक्ष पारस जैन बिची सहित सभी ने श्रीफल भेंट किया। इस दौरान दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्रीमहावीरजी कोषाध्यक्ष विवेक काला ने आर्शीवाद लिया। मंदिर कमेटी की ओर मंत्री महेन्द्र जैन पचाला, कोषाध्यक्ष धर्मचंद पराणा, चातुर्मास कमेटी मुख्य संयोजक जिनेन्द्र जैन जीतू आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

वन कर्मी और वालंटियर्स को अवॉर्ड

बेधड़क. जयपुर। वन्यजीव संरक्षण और संघर्ष प्रबंधन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वन कर्मी और वालंटियर्स को प्रभा खेतान फाउंडेशन (पीकेएफ) और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया की ओर से मछली व वन्य प्राणी मित्र पुरस्कार दिए गए। 'मछली पुरस्कार' करौली के वन रक्षक धर्मेन्द्र सिंह राजपूत को दिया गया। रणथम्भौर टाइगर रिजर्व की प्रसिद्ध बाघिन पर इस पुरस्कार का नाम रखा गया है। राजपूत को वन्यजीव अपराध नियंत्रण और आपातकालीन प्रतिक्रिया में उनके अनुकरणीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया, जिसके कारण कई घायल या असहाय जानवरों को बचाया और पुनर्वासित किया गया। मानव-वन्यजीव संघर्ष के असाधारण प्रबंधन के लिए धर्मेन्द्र पानीगर और युधिष्ठिर मीणा को 'वन्य प्राणी मित्र पुरस्कार' संयुक्त रूप से मिला। पानीगर उदयपुर के स्वयं सेवक हैं, जिन्होंने 3,000 से अधिक सांपों और विभिन्न अन्य जंगली जानवरों को बचाया है। युधिष्ठिर रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के सिविल डिफेंस वालंटियर हैं, जिन्होंने 4 वर्षों में अजगर, वाइपर और नीलगाय सहित 100 से अधिक जानवरों को बचाया है।

श्रावकों ने मनाया गौरवमती माताजी का समाधि दिवस

अष्ट द्रव्यों से किया गुरु पूजन समाधि पर चढ़ाया पुष्पचक्र

बेधड़क | जयपुर

गणिनी आर्यिका गौरवमती माताजी का शनिवार को समाधि दिवस मनाया गया। आगरा रोड़ चुलगिरी (जैन अतिशय क्षेत्र) स्थित समाधि स्थल पर जैन श्रद्धालु एकत्रित हुए और पूज्य माताजी के समाधि स्थल पर गुलाब और जल से अभिषेक कर शुद्धिकरण किया गया। अष्ट द्रव्यों के साथ गुरु पूजन किया गया। पूजन के बाद श्रद्धालुओं ने सम्पूर्ण अर्घ के मंत्रोच्चारण के साथ पुष्पचक्र चढ़ाया और श्रावकों ने पुष्प अर्पित कर माताजी को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान सभी श्रावकों ने मेरी भावना, समाधि मरण और जैन भजनों का गुणगान किया व अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा मानद मंत्री हेमंत सौगनी, राज प्रमोद शाह और अजीत पाटनी ने माताजी को विन्यांजलि दी। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि गणिनी आर्यिका गौरवमती माताजी की समाधि भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी के दिन रात्रि 11.22 बजे भट्टारकजी की नसियां में विराजमान आचार्य सुनील सागर महाराज सहित 60 से अधिक दिगंबर जैन संतों और साध्वियों के सानिध्य में हुई थी। उस दिन 25 अगस्त 2022 का था, किंतु जैन धर्म में तिथियों का महत्वपूर्ण स्थान है इसलिए तिथियों के आधार पर ही सभी पर्वों का आयोजन होता है। इस बार भाद्रपद कृष्ण त्रयोदशी शनिवारको आने से इसी दिन माताजी का समाधि दिवस मनाया गया। शनिवार को माताजी की द्वितीय पुण्य तिथि थी।

श्रीचंदप्रभ दिगंबर जैन महिला मंडल के चुनाव संपन्न

पूनम चांदवाड़ बनीं फिर निर्विरोध अध्यक्ष, चंद्रप्रभा चुनी गई उपाध्यक्ष

बेधड़क | जयपुर

श्रीचन्द्रप्रभू दिगम्बर जैन महिला मंडल झोटवाड़ा की कार्यकारिणी के निर्विरोध चुनाव हुए। मंदिर कमेटी अध्यक्ष फूलचंद बकलीवाल व मंत्री रवि जैन की उपस्थिति में पूनम चांदवाड़ झोटवाड़ा पुनः निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुई।

इस मौके पर चांदवाड़ ने कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें चंद्रप्रभा बड़जात्या उपाध्यक्ष, सरिता जैन मंत्री, संगीता छाबड़ा संयुक्त मंत्री, सुमन जैन कोषाध्यक्ष, जूली जैन उपकोषाध्यक्ष, प्रीति सोगानी सांस्कृतिक मंत्री, भाविका जैन उपसांस्कृतिक मंत्री बनाए गए। इसी प्रकार कार्यकारिणी सदस्यों में इंदिरा काला, मंजू जैन, राजुल जैन, वंदना जैन, सरिता पाटनी, कांता पांड्या, मंजू गंगवाल, रितु बड़जात्या, आशा जैन, मीनाक्षी जैन, सोनिया बड़जात्या, संतोष पाटनी, आरती काला मनोनीत की गई। वरिष्ठ सदस्यों में सुधा बड़जात्या, सुशीला छाबड़ा, शिमला जैन को चुना गया। चांदवाड के अध्यक्ष निर्वाचित होने पर राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन, जयपुर जिला अध्यक्ष संजय पांड्या, जिला महामंत्री सुभाष बज, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन पांड्या, राजस्थान जैन सभा जयपुर महामंत्री मनीष बैद, राजीव पाटनी, पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर झोटवाड़ा प्रबंधकारिणी समिति अध्यक्ष धीरज पाटनी युवा महासभा की जिला संयुक्त महामंत्री मीना चौधरी, रेखा पाटनी, युवा महासभा के झोटवाडा सम्भाग अध्यक्ष तरुण जैन सहित कई ने बधाई दी।

बॉलीमूड दिल्ली के मशहूर ऑर्केस्ट्रा के साथ परफार्म करेंगे जयपुर के सिंगर्स

प्रोफेशनल और शौकिया सिंगर्स सजाएंगे बॉलीवुड गोल्डन ऐरा

बेधड़क | जयपुर

अस्सी के दशक में स्थापित दिल्ली के मशहूर ऑर्केस्ट्रा 'डो-रे-मी' के साथ जयपुर के कई नामी सिंगर्स परफार्म करते नजर आएंगे। मौका होगा 8 सितंबर को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम में संकल्प कल्चरल सोसायटी की ओर से होने वाले कार्यक्रम बॉलीमूड-ये गुलिस्तां हमारा-7 का। सोसायटी संस्थापक चेयरमैन राजेश शर्मा और क्रिएटिव डायरेक्टर जया शर्मा ने बताया कि प्रोग्राम में जयपुर के 6 प्रोफेशनल और 11 शौकिया सिंगर्स बॉलीवुड गोल्डन ऐरा के 23 गीतों (1951-2007) को आवाज देंगे। सभी जयपुर सहित प्रदेश के अनेक शहरों में कई वर्षों से जादू बिखरते आ रहे हैं।

16 देशों में परफॉर्म कर चुका है ऑर्केस्ट्रा: दिल्ली का 'डो-रे-मी' ऑर्केस्ट्रा विभिन्न वाद्यों पर इन कलाकारों की संगत करने के लिए मंच पर मौजूद रहेगा। म्यूजिक अरेंजर सतीश पोपली के निर्देशन में ऑर्केस्ट्रा भारत सहित दुनिया के 16 देशों में सोनू निगम, सुनिधि चौहान, श्रेया घोषाल, उदित नारायण, अलका याग्निक, कुमार सानू, कविता कृष्णामूर्ति, विनोद राठौड़, शंकर महादेवन सहित बॉलीवुड के कई नामी कलाकारों के साथ परफार्म कर चुका है। बॉलीमूड-ये गुलिस्तां हमारा में जयपुर की सीमा मिश्रा, संजय रायजादा, रोहित कटारिया, ममता, डॉ. आकांक्षा दवे कटारिया, कविता आर्य, राजेश शर्मा, जया शर्मा, किशोर सरावगी, जय शर्मा, सतीश जैन, अनिल के. शर्मा, सरिता काला, शीना माथुर, रामदास महेश्वरी, विजय दूधोड़िया और हेमंत सोखिया प्रस्तुति देंगे। संगीत क्षेत्र के वरिष्ठ कलाकारों के सम्मान की श्रृंखला में इस वर्ष पंडित कुंदनमल शर्मा (शास्त्रीय संगीत) को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम पहले आओ पहले पाओ के आधार पर पूरी तरह निःशुल्क है।

पोस्टल रजि. नं. : जयपुर सिटी/006/2023-25

न्यूज़ बेधड़क

सच बेधड़क

जयपुर, रविवार, 01 सितंबर, 2024

10

जिस यात्रा का चुनाव हमने स्वयं किया हो
उसके उतार चढ़ाव भी हमें ही स्वीकार करने होंगे।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

रूस के शहर बेल्गोरोद पर रॉकेटों से हमला...

वार-पलटवार में आम नागरिक बने निशाना

एजेंसी | मॉस्को/कीव

रूस के एक शहर बेल्गोरोद पर शुक्रवार रात आसमान से कई गोले गिरे। रूस का दावा है कि ये यूक्रेन के RM-70 Vampire MLRS के रॉकेट्स थे, जिन्होंने आम लोगों को निशाना बनाया है, जबकि दूसरी तरफ यह खबर भी आ रही है कि रूस ने अपने ही लोगों पर गलती से पंतशिर एयर डिफेंस सिस्टम की मिसाइलें दाग दी। सच्चाई पता चल पा रही है, लेकिन X पर इस हमले के वीडियो वायरल हो रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि कैसे सड़क पर चल रही गाड़ियों के ऊपर मिसाइलें, रॉकेट या बम, वो जो कुछ भी हो, किस तरह से गिर रहे हैं। तबाही मचा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इस हमले में 5 लोगों की मौत हुई है। 37 जख्मी हैं, जिसमें 6 बच्चे भी हैं। यह हमला रूस के खारकीव पर उस हमले का पलटवार था, जिसमें यूक्रेन के 6 नागरिक मारे गए।

आरएम-70 वैम्पायर एमएलआरएस ऐसा है

आरएम-70 का पूरा नाम है रॉकेटोमेट वजो 1970... यह एक मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम है। इसे चेक गणराज्य ने बनाया था। 1972 से लगातार इसका इस्तेमाल कई देश कर रहे हैं। पश्चिमी सहारा युद्ध, रूस-जॉर्जिया युद्ध, श्रीलंका सिविल वॉर, लीबिया युद्ध, अफगानिस्तान की जंग जैसे कई लड़ाइयों में इसका इस्तेमाल हो चुका है। इस सिस्टम का वजन 33.7 टन होता है। 28.8 फीट लंबा, 8.2 फीट चौड़ा और 8.10 फीट ऊंचा होता है ये सिस्टम। इसे चलाने के लिए छह लोगों की जरूरत पड़ती है। इसमें 122.4 मिलिमीटर कैलिबर के रॉकेट्स लगते हैं। यह एक बार में 40 रॉकेट दाग सकता है, जिनकी रेंज 20 किलोमीटर होती है। इसके अलावा इसमें यूनिवर्सल मशीन गन 59 लगी होती है। यह 8X8 पहियों वाले ट्रक पर इंस्टॉल किया जाता है। यह ट्रक एक बार में 400 किलोमीटर तक की दूरी तय कर सकता है।

- रूस में 5 की मौत, 6 बच्चों सहित 36 घायल
- यूक्रेन में 6 की मौत, 55 लोग हुए घायल

रूसी एयर बेस और सैन्य ठिकानों पर हमला करने की अनुमति दें: जेलेंस्की

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपील की है कि इस आतंक को रोकने के लिए कड़े फैसले की जरूरत है। अमेरिका और नाटो देश अपने हथियारों से यूक्रेन को रूसी एयर बेस और सैन्य ठिकानों पर हमला करने की अनुमति दें। यूक्रेन की सेना के द्वारा कुर्स्क क्षेत्र में घुसपैठ करने और 1300 वर्ग किमी क्षेत्र पर कब्जा करने के बाद रूसी सेना के ताबड़तोड़ हमले जारी है। शुक्रवार को रूसी सेना ने गाइडेड मिसाइलों से खारकीव शहर में एक 12 मंजिला रेसीडेंशियल अपार्टमेंट और बच्चों के खेल के मैदान को निशाना बनाया। इस हमले में ग्राउंड में खेल रहे एक बच्चे, एक महिला सहित 6 लोगों की मौत हुई है और 55 से ज्यादा यूक्रेनी लोग घायल हुए हैं।

साउथ चाइना सी में भिड़े चीन-फिलीपींस के जहाज

एक महीने में चौथी टक्कर

- ड्रैगन बोला- फिलीपींस पीछे नहीं हटा तो अंजाम भुगतना होगा

एजेंसी | बीजिंग

चीन और फिलीपींस ने एक बार फिर से साउथ चाइना सी में एक-दूसरे की कोस्ट गार्ड वेसल पर टक्कर मारने का आरोप लगाया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, शनिवार को दोनों देशों के कोस्ट गार्ड वेसल के बीच टक्कर हुई। यह इस महीने चीन और फिलीपींस के बीच समुद्र में हुआ पांचवां टकराव है।

फिलीपींस के कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता टैरिएला ने शनिवार को हुए टकराव का वीडियो शेयर किया। उन्होंने कहा कि चीनी कोस्ट गार्ड के जहाज ने जानबूझकर फिलीपींस के जहाज को टक्कर मारी। इसकी वजह से उनके कोस्ट गार्ड वेसल को नुकसान पहुंचा है।

हालांकि, इस दौरान कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। वहीं, चीनी कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता ल्यू डेजुन ने कहा कि फिलीपींस ने गैरकानूनी तरह से साउथ चाइना सी में मौजूद सबीना शोल (सेकेंड थॉमस शोल) नाम के कोरल आइलैंड पर अपने जहाज को रोक रखा था। फिर उसने अचानक से चीन के कोस्ट गार्ड वेसल को टक्कर मार दी। चीनी कोस्ट गार्ड ने कहा है कि अगर फिलीपींस समय रहते पीछे नहीं हटा तो उसे खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

चीन बोला- देश की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएंगे-

ल्यू ने कहा कि चीनी कोस्ट गार्ड अपने देश की सुरक्षा और समुद्री अधिकारों की रक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। दरअसल, फिलीपींस ने अप्रैल में अपने पालावन प्रांत से 75 नॉटिकल मील यानी 138 किमी दूर एक जहाज को तैनात किया था। फिलीपींस ने आरोप लगाया है कि चीन अवैध तरह से एक आर्टिफिशियल आइलैंड बनाने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, चीन ने इन दावों को खारिज कर दिया है। चीन पूरे साउथ चाइना सी को अपना हिस्सा बताता है। इसे लेकर उसका फिलीपींस, मलेशिया, ताइवान, वियतनाम और ब्रुनेई जैसे देशों से विवाद है।

चीन ने फिलीपींस पर दोष मढ़ा

करीब 12 दिन पहले भी चीन और फिलीपींस के जहाजों के बीच सेकेंड थॉमस शोल के पास टक्कर हुई थी। चीन के कोस्ट गार्ड ने कहा था कि उनके तट रक्षक जहाज 21551 से फिलीपींस के जहाज 4410 को कई बार चेतावनी दी गई मगर उन्होंने इसे नजरअंदाज किया और टक्कर मार दी। चीनी कोस्टगार्ड के प्रवक्ता गेंग यू ने कहा था कि फिलीपींस के जहाज ने बहुत ही गैर जिम्मेदाराना और खतरनाक तरीके से काम किया।

जापान के कर्मचारियों के लिए खुशखबरी

अब जापान में सप्ताह में चार दिन काम!

एजेंसी | टोक्यो

जापान के लोग काफी मेहनती माने जाते हैं और इसी वजह से कुछ ही दशकों में जापान ने काफी तरक्की करते हुए दुनियाभर में अपनी एक अलग छाप छोड़ी है।

अब जापान चाह रहा है कि लोग सिर्फ चार दिन ही ऑफिस जाएं। ऐसे में जापान के कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। जापान अधिक लोगों और कंपनियों को चार दिवसीय कार्य सप्ताह अपनाने के लिए प्रमोट कर रहा है। दरअसल, जापान चिंताजनक श्रम की कमी को दूर करने की कोशिश कर रहा है। जापानी सरकार ने पहली बार साल 2021 में छोटे कार्य सप्ताह के लिए समर्थन व्यक्त किया, जब सांसदों ने इस विचार का समर्थन किया। हालांकि, यह अवधारणा धीरे-धीरे लोकप्रिय हुई है।

स्वास्थ्य, श्रम और कल्याण मंत्रालय के अनुसार, जापान में लगभग 8 फीसदी कंपनियां कर्मचारियों को प्रति सप्ताह तीन या अधिक दिन की छुट्टी लेने की अनुमति देती हैं, जबकि सात फीसदी कंपनियां अपने कर्मचारियों को कानूनी रूप से अनिवार्य एक दिन की छुट्टी देती हैं। अधिक से अधिक लोगों को आकर्षित करने की उम्मीद में, विशेष रूप से छोटे और मध्यम आकार के व्यवसायों के बीच, सरकार ने एक कार्यशैली सुधार अभियान शुरू किया जो कम घंटे और अन्य लचीली व्यवस्थाओं के साथ-साथ ओवरटाइम सीमा और भुगतान वाली वार्षिक छुट्टी को बढ़ावा देता है। श्रम मंत्रालय ने हाल ही में आगे की प्रेरणा के रूप में मुफ्त परामर्श, अनुदान और सफलता की कहानियों की बढ़ती लाइब्रेरी की पेशकश शुरू की है। मंत्रालय की वेबसाइट पर बताया गया है कि एक ऐसे समाज को साकार करके जिसमें श्रमिक अपनी परिस्थितियों के आधार पर विभिन्न प्रकार की कार्यशैली चुन सकते हैं।

रूस में MI-8T हेलिकॉप्टर लापता

क्रू मेंबर समेत 22 लोग थे सवार

- झील में गिरने की आशंका

एजेंसी | बेंगलूरू

आमतौर मॉस्को। रूस का MI-8T हेलिकॉप्टर उड़ान के दौरान लापता हो गया है। इसके हादसे का शिकार हो जाने की आशंका है।

हेलिकॉप्टर जिस वक्त लापता हुआ, उस वक्त उसमें तीन क्रू मेंबर समेत कुल 22 लोग सवार थे। रिपोर्ट के मुताबिक रूस की एयर ट्रांसपोर्ट एजेंसी ने कहा कि हेलिकॉप्टर ने कामचटका इलाके में वाचकाझेट्स ज्वालामुखी के पास एक साइट से 25 किमी दूर स्थित निकोलेवका के लिए उड़ान भरी थी।

IRA ने सूत्रों के हवाले से बताया कि हेलिकॉप्टर झील में गिर गया। ये मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग से पर्यटकों को लेकर जा रहा था।

हेलिकॉप्टर की तलाश में एयरक्राफ्ट भेजा

भारतीय समय के मुताबिक हेलिकॉप्टर को 9 बजकर 30 मिनट पर बेस पर लौटना था, लेकिन लौटकर नहीं आया। क्रू मेंबर्स से संपर्क करने की कोशिश की गई, मगर इसका कोई फायदा नहीं हुआ। बचावकर्मी लापता हेलिकॉप्टर की तलाश में जुट गए हैं। हेलिकॉप्टर की खोज के लिए एक अन्य एयरक्राफ्ट को भेजा गया है, जिस इलाके में हेलिकॉप्टर लापता हुआ, वहां बूंदाबांदी और कोहरा देखा गया।

मॉस्को से 6000 किमी दूर हादसा

कामचटका मॉस्को से 6,000 किमी पूर्व और अलास्का से करीब 2,000 किमी पश्चिम में स्थित है। ये इलाका अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है, इसलिए यहां काफी टूरिस्ट पहुंचते हैं। यहां लगभग 160 ज्वालामुखी हैं और उनमें से 29 अभी भी सक्रिय हैं। MI-8T, Mil mi-8 हेलिकॉप्टर का सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया गया वर्जन है। इसे पहली बार 60 के दशक में डिजाइन किया गया था। 1967 में पहली बार इसे रूसी सेना के लिए इस्तेमाल में लाया गया। इसकी कीमत 15 मिलियन डॉलर (125 करोड़ रुपए) है। MI-8T दुनिया में सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले हेलिकॉप्टर में से एक है। रूस इसके 17 हजार से ज्यादा यूनिट्स बना चुका है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl